मार्च 2021, वर्ष 2 अंक 2 • UPHIN/2020/78911 • www.newsbucket.in • मूल्य 10 रुपये /-

न्यूज़बकेट

जनता पर महंगाई की मार, मूक दर्शक बनी है सरकार! - 05

भारत में बढ़ती बेरोजगारी की समस्या। - 09

क्या है टूलकिट और दिशा रवि की गिरफ्तारी की कहानी? - 19

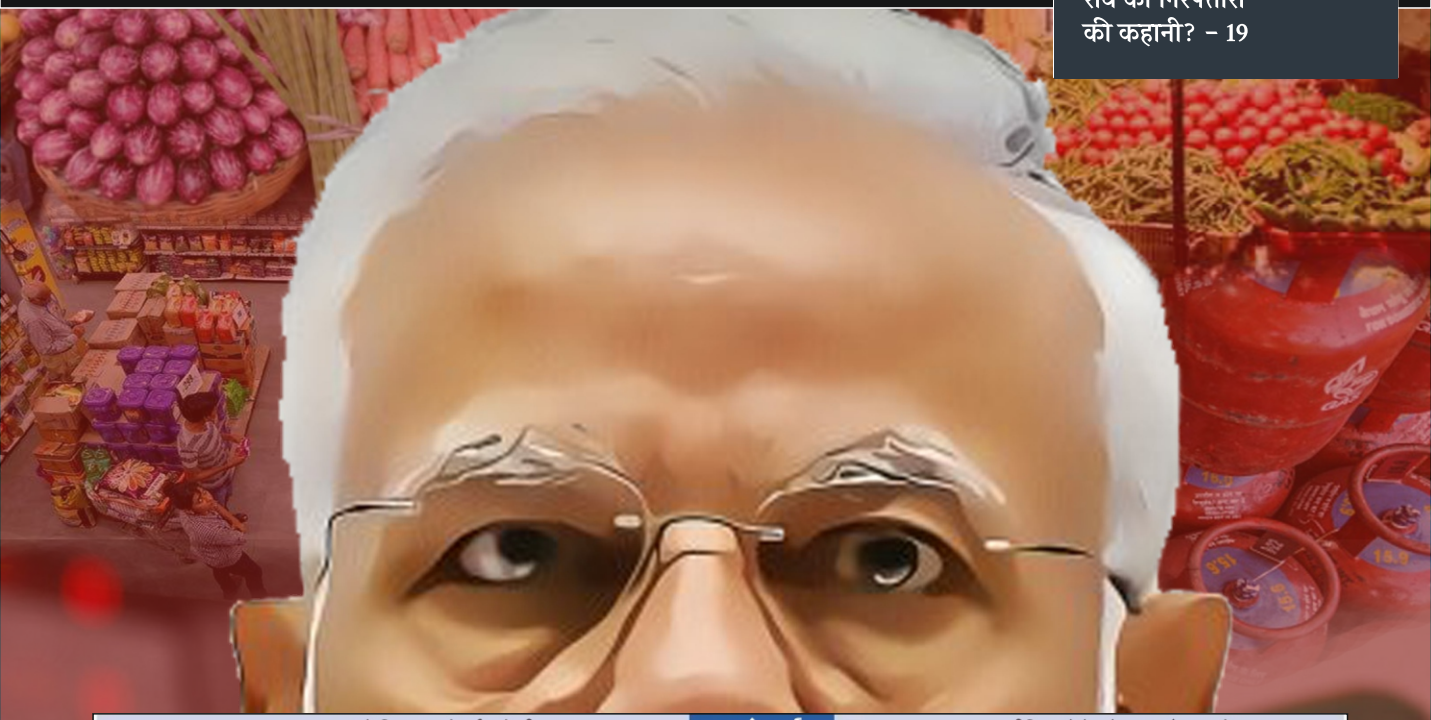

लगातार सातवें दिन मूल्य में हुई बढ़ोतरी | **महंगाई** | प्रीमियम पेट्रोल के दाम सौ रुपए के पार

तेल की कीमतों में लगी आग, पेट्रोल सौ की दहलीज पर

नई दिल्ली, 15 फरवरी।

कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय दरों में वृद्धि के बीच देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सोमवार को लगातार सातवें दिन बढ़ोतरी हुई। इससे देश में ईंधन की खुदरा कीमतें नए उच्च स्तर पर पहुंच गईं। दिल्ली में पेट्रोल 89 रुपए पर पहुंच गया जबकि राजस्थान में यह शतक मारने की दहलीज पर जा पहुंचा है। प्रीमियम पेट्रोल देश में पहले ही सौ रुपए प्रति लीटर का आंकड़ा पार कर गया है। इसे लेकर पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने खेद जताते हुए तेल संपन्न देशों पर ठीकरा फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि ये देश तेल के उपभोग कर्ता देशों के हितों को नहीं देख रहे हैं।

सरकारी तेल विपणन कंपनियों की कीमत अधिसूचना के अनुसार सोमवार को पेट्रोल की कीमत में 26 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 29 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई। इससे दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 88.99 रुपए प्रति लीटर और मुंबई में अब तक की सबसे ऊंची दर 95.46 रुपए प्रति लीटर हो गई। डीजल की दर दिल्ली में 79.35 रुपए प्रति लीटर और मुंबई में 86.34 रुपए हो गई।

देश में ईंधन पर सबसे अधिक मूल्यवर्धित कर (वैट) वसूलने वाले राज्य राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें सबसे अधिक हैं। राज्य के श्रीगंगानगर शहर में पेट्रोल 99.56 रुपए और डीजल 91.48 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गया। राजस्थान सरकार ने पिछले महीने पेट्रोल और डीजल पर वैट में दो फीसद की कटौती की थी। राज्य में पेट्रोल पर सबसे अधिक 36 फीसद वैट लगता है। इसके अलावा 1,500 रुपए प्रति किलोलीटर की दर से सड़क उपकर भी लगता है। डीजल पर राज्य में 26 फीसद वैट और 1,750 रुपए प्रति किलोलीटर की दर से सड़क उपकर लगता है। रविवार को ब्रांडेड यानी एडिटिव मिश्रित पेट्रोल ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में कुछ स्थानों पर 100 रुपए का आंकड़ा पार कर लिया था। श्रीगंगानगर में ब्रांडेड पेट्रोल की कीमत 102.34 रुपए प्रति लीटर और इसी तरह के ग्रेड डीजल की कीमत 95.15 रुपए प्रति लीटर थी। बढ़ती कीमतों को लेकर पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लाचारी जताई है। उन्होंने तेल संपन्न देशों पर ठीकरा फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि ये देश तेल के उपभोग कर्ता देशों के हितों को नहीं देख रहे है। मंत्री ने तीन दिन पहले राज्यसभा में भी तेल कीमतें कम नहीं कर पाने को लेकर लाचारी जताई थी। उनका कहना है कि तेल संपन्न देशों ने एक कृत्रिम मूल्य प्रणाली बना ली है, यह उपभोग करने वाले देशों को चुभ रही है।

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 88.99 रुपए प्रति लीटर और मुंबई में अब तक की सबसे ऊंची दर 95.46 रुपए प्रति लीटर हो गई।

राज्यसभा में बहस के दौरान सपा सांसद विशंभर प्रसाद निषाद ने पूछा था कि सीता माता के देश नेपाल और रावण के देश श्रीलंका में पेट्रोल-डीजल सस्ता है, तो राम के देश में सरकार दाम कब कम करेगी? इस पर मंत्री ने कहा था कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय मूल्य प्रणाली के तहत नियंत्रित होती हैं। पिछले 300 दिनों में करीब 60 दिन तेल की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है। इन देशों से भारत की तुलना करना सही नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत और इन देशों में केरोसीन की कीमत में काफी अंतर है। बांग्लादेश और नेपाल में केरोसीन क्रमशः 57 से 59 रुपए प्रति लीटर है, लेकिन भारत में केरोसीन 32 रुपए प्रति लीटर है।

अच्छे दिन या महंगे दिन?

जरूरी वस्तुओं की कीमतों में अनावश्यक वृद्धि करके जनता को सताना गलत व अनुचित! - मायावती

सरकार जनता को लूट रही है! - राहुल गाँधी

डीजल, बिजली, पेट्रोल व गैस की कीमतों को बढ़ाकर सरकार ने महंगाई से जनता का सब कुछ छीन लिया! - अखिलेश

बढ़ती कीमतों के कारण देश बैकफुट पर जा रहा है! - ममता बनर्जी

SAKSHI INFRACITY

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में

बनायें अपने सपनों का आशियाना,

सस्ते दामों में प्लॉट उपल!

साक्षी इंफ्रासिटी प्रा0 लि0 क्रय विक्रय केंद्र

सारनाथ, भुल्लनपुर, केशरीपुर, रोहनिया, रामनगर,टेंगड़ामोड़, सामनेघाट, पटेलनगर, पहड़िया में ज़मीन, मकान, प्लॉट व फॉर्महॉउस हेतु संम्पर्क करें।

बाबा शॉपिंग काम्प्लेक्स, बीएचयू रोड, लंका, वाराणसी
ओम साई की कुटी, अकथा तिराहा, वाराणसी

मोबाइल न. 7905288635, 0542-2581888

भीतर

'बिग बॉस 14' की विजेता बनी रुबीना दिलैक, तोड़ा शहनाज और आसिम रियाज का रेकॉर्ड!

रुबीना दिलैक न सिर्फ 'बिग बॉस 14' की विनर बन चुकी हैं, बल्कि इसके साथ ही उन्होंने बिग बॉस के इतिहास में एक नया रेकॉर्ड भी बनाया है, जिसके बारे में जान आप भी चौंक जाएंगे।पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 23 पर...**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2021-22 के बजट के जरिए न्यू इंडिया का खाका देश के समक्ष रखा। कोरोना महामारी की पृष्ठभूमि में अभूतपूर्व बजट (Union Budget 2021) पेश करते हुए सीतारमण ने हेल्थकेयर, इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में निवेश के जरिए रोजगार सृजन पर जोर दिया है। पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 11 पर...**

हेल्थकेयर, इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर पर रहा वित्त मंत्री का जोर, टैक्स के मोर्चे पर हुए ये ऐलान

योगी आदित्यनाथ सरकार का पेपरलेस बजट, किसानों को मुफ्त पानी और सस्ते लोन की व्यवस्था!

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सोमवार को विधानमंडल के दोनों सदनों में वित्तीय वर्ष 2021-21 के लिए 5,50,278.78 करोड़ रुपये का भारी भरकम बजट पेश किया। पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 15 पर...**

सम्पादकीय.....04
कवर स्टोरी.....05-08
मुद्दा.....09-10
केंद्रीय बजट.....11-14
यूपी बजट.....15-18
मुद्दा.....19-20
विचार.....21-22
मनोरंजन.....23-26
साक्षात्कार.....27-29
खेल जगत.....30-31
टेक ज्ञान.....32-33
स्वास्थ्य.....34
धार्मिक.....35-37
राशिफल.....38
खबर एक्सप्रेस.....39-45
विज्ञापन.....46

न्यूज़बकेट

www.newsbucket.in

मार्च 2021

वर्ष 2 अंक 2

संस्थापक संरक्षक
संरक्षक : मिथिलेश पटेल
प्रधान संपादक : राजू श्रीवास्तव
कंटेंट एडिटर : विकास कुमार श्रीवास्तव
फोटो एडिटर : सुधीर कुमार गुप्ता
छायाकार : महेंद्र पटेल

कानूनी सलाहकार
भूपेश पाठक : **अधिवक्ता**

प्रधान कार्यालय (FIVE ALPHABETS)
बी - 31/19, आर बाबा शॉपिंग
काम्प्लेक्स लंका, वाराणसी।
E-Mail : m@fivealphabets.com
मो0 : 9415147110, 8574479280, 9807505429

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मिथिलेश पटेल एवं संपादक राजू श्रीवास्तव ने रॉयल प्रिंटिंग वर्क्स - C 25/2 राम कटोरा, चेतगंज, वाराणसी से मुद्रित कराकर बी - 31 /19, आर बाबा शॉपिंग काम्प्लेक्स लंका, वाराणसी से प्रकाशित किया।

R.N.I.-UPHIN/2020/78911

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखक के हैं। उसमे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का क्षेत्र वाराणसी न्यायालय होगा।

माता-पिता समेत अपने परिवार के 7 लोगों की कातिल अमरोहा के बावनखेड़ी गांव की शबनम को अगर फांसी पर चढ़ाया जाता है, तो पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 21 पर...**

शबनम से पहले आजाद भारत में एक और महिला को हुई थी फांसी, 3 लड़कियों का किया था कत्ल!

महामारी की दूसरी लहर, 'दो गज दूरी, मास्क है जरूरी' की आजमाई हुई नीतियों से इधर-उधर होना घातक हो सकता है।

भारत में 16 जनवरी से शुरू हुए टीकाकरण केपहले चरण में काफी तेजी से टीके दिए गए। अब केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि कोरोना के टीकाकरण का दूसरा चरण सोमवार एक मार्च से ही शुरू हो जाएगा और इसके तहत 60 साल से ऊपर के सभी व्यक्ति तथा 45 साल से ऊपर के एक से ज्यादा बीमारियों से ग्रस्त व्यक्ति टीका लगवा सकते हैं। यह टीकाकरण को लेकर अब तक लागू नीति में बहुत बड़ा बदलाव है। अब तक तय प्राथमिकताओं के मुताबिक कोरोना के फ्रंटलाइन वॉरियर्स यानी चिकित्सकों तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को ही टीका दिया जाना था। हालांकि पहले चरण में भी काफी तेजी से टीके दिए गए और अब तक एक करोड़ से ऊपर डोज पड़ चुके हैं, फिर भी सभी स्वास्थ्यकर्मियों को टीके का दोनों डोज देने का लक्ष्य अभी अधूरा है। इस बीच देश के कई राज्यों में कोरोना के नए मामलों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है जिससे महामारी की दूसरी लहर आने का अंदेशा काफी बढ़ गया है। इसे देखते हुए रणनीति में यह बदलाव जरूरी था।

अब संक्रमण की आशंका के बीच जी रहे बुजुर्ग और बीमार लोग टीका लेकर न केवल खुद को सुरक्षित कर सकते हैं बल्कि कोरोना के फैलाव को रोकने का जरिया भी बन सकते हैं। सरकारी अस्पतालों में मुफ्त टीका उपल रहेगा जबकि प्राइवेट हॉस्पिटलों में इसके लिए भुगतान करना होगा। हालांकि वहां भी टीके के लिए मनमाना शुल्क नहीं वसूला जा सकेगा।

सरकार इसकी कीमत तय करने वाली है। दो चैनलों के होने से फायदा यह होगा कि जरूरतमंद लोग सरकारी अस्पताल की लाइनों में खड़े होकर टीके लगवाएंगे और जो पैसे चुकाने की स्थिति में हैं वे पैसा खर्च करके इस सेवा का लाभ उठाएंगे। इससे एक तो सरकार पर हद से ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा और दूसरे कम से कम वक्त में ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीका लगाने का उद्देश्य पूरा होगा। कोरोना पर अंकुश लगाने के लिहाज से व्यापक टीकाकरण पिछले कुछ समय में एक कारगर उपाय के रूप में उभरा है।

अमेरिका समेत कई देशों में कोरोना की दूसरी लहर अगर कुछ हद तक काबू में दिख रही है तो उसके पीछे बड़े पैमाने पर टीकाकरण की अहम भूमिका मानी जा रही है। कोई कारण नहीं कि अपने देश में भी ऐसा होने की उम्मीद न रखी जाए। हालांकि वायरस की तरफ से भी चुनौतियां कमजोर नहीं पड़ रही हैं। केरल और महाराष्ट्र समेत दस राज्यों में हालात दोबारा गंभीर होते दिख रहे हैं। तीन राज्यों में दो नए स्ट्रेन भी देखे गए हैं। कोरोना वायरस के ये दोनों स्ट्रेन ब्रिटेन, साउथ अफ्रीका और ब्राजील के चिंताजनक स्ट्रेन्स से अलग हैं और अभी यह साफ नहीं है कि नए केसों में बढ़ोतरी के पीछे इनकी भी कोई भूमिका है या नहीं। लेकिन इससे इतना तो पता चल ही जाता है कि टीकाकरण के बावजूद आगे कठिन चुनौती है और अधिकाधिक सावधानी, 'दो गज दूरी, मास्क है जरूरी' की आजमाई हुई नीतियों से इधर-उधर होना घातक हो सकता है।

-राजू श्रीवास्तव

जनता पर महंगाई की मार, मूक दर्शक बनी है सरकार!

इन दिनों अर्थव्यवस्था से जुड़ी सबसे बड़ी और सबसे बुरी खबर यह है कि आम आदमी को महंगाई से राहत मिलती नहीं दिख रही है। अनाज, दाल-दलहन, चीनी, फल, सब्जी, दूध, पेट्रोल-डीजल इत्यादि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। फिलहाल अंदेशा यही है कि ये कीमतें आगे और भी बढ़ेंगी।

यह साफतौर पर बाजार द्वारा जनता के साथ की जा रही लूट-खसोट है। ऐसा नहीं कि महंगाई का कहर कोई पहली बार टूटा हो। महंगाई पहले भी होती रही है, जरूरी चीजों के दाम पहले भी अचानक बढ़ते रहे हैं, लेकिन थोड़े समय बाद फिर नीचे आए हैं। मगर इस समय तो मानो बाजार में आग लगी हुई है। वस्तुओं की लागत और उनके बाजार भाव में कोई संगति नहीं रह गई।

इस मामले में जहां आम आदमी लाचार है और सरकार से आस लगाए हुए है कि वह कुछ करेगी, वहीं सरकार सिर्फ जनता को दिलासा देने के अलावा कुछ नहीं कर पा रही है। उसकी नीतियों से महंगाई बढ़ती जा रही है और वह खुद भी आए दिन पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाकर और अपनी इस करनी को देश के आर्थिक विकास के लिए जरूरी बताकर आम आदमी के जले पर नमक छिड़कने का काम कर रही है।

अब यह याद करने या गिनने की कवायद बेमतलब है कि सरकार के संबंधित महकमों के मंत्रियों की ओर से कितनी बार जनता को यह भरोसा दिलाया गया कि महंगाई पर जल्द ही काबू पा लिया जाएगा। सरकार की ओर से कीमतों में उछाल के जो भी स्पष्टीकरण दिए गए हैं, वे कतई विश्वसनीय नहीं हैं।

पिछले साल मानसून कमजोर रहा या पर्याप्त बारिश नहीं हुई, ये ऐसे कारण नहीं हैं कि इनका असर सभी चीजों पर एकसाथ पड़े। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि कीमतें इतनी ज्यादा होने के बावजूद बाजार में किसी भी आवश्यक वस्तु का अकाल-अभाव दिखाई नहीं पड़ता। जब आपूर्ति कम होती है तो बाजार में चीजें दिखाई नहीं पड़ती हैं और उनकी कालाबाजारी शुरू हो जाती है।

अभी न तो जमाखोरी हो रही है और न ही कालाबाजारी। हो रही है तो सिर्फ और सिर्फ बेहिसाब-बेलगाम मुनाफाखोरी। लगता है मानो सरकार या सरकारों ने अपने आपको जनता से काट लिया है। यह हमारे लोकतंत्र का बिलकुल नया चेहरा है- घोर जननिरपेक्ष और शुद्ध बाजारपरस्त चेहरा।

दो-ढाई दशक पहले तक जब किसी चीज के दाम असामान्य रूप से बढ़ते थे तो सरकारें हस्तक्षेप करती थीं। यह अलग बात है कि इस हस्तक्षेप का कोई खास असर नहीं होता था, क्योंकि उस मूल्यवृद्धि की वजह वाकई उस चीज की दुर्लभता या अपर्याप्त आपूर्ति होती थी। यह स्थिति पैदा होती थी उस वस्तु के कम उत्पादन की वजह से।

अब तो सरकारों ने औपचारिकता या दिखावे का हस्तक्षेप भी बंद कर दिया है। वे बिलकुल बेफिक्र हैं- महंगाई का कहर झेल रही जनता को लेकर भी और जनता को लूट रही बाजार की ताकतों को लेकर भी। सरकारें महंगाई बढ़ने पर उसके लिए जिम्मेदार बाजार के बड़े खिलाड़ियों को डराने या उन्हें निरुत्साहित करने के लिए सख्त कदम भले ही न उठाए, पर आमतौर पर सख्त बयान तो देती ही हैं, लेकिन अब तो ऐसा भी नहीं हो रहा है।

अब तो कभी हमारे देश के कृषिमंत्री का बयान आता है कि कीमतें अभी और भी बढ़ सकती हैं, तो कभी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सलाह देते हैं कि अरहर की दाल महंगी है तो लोग खेसारी दाल खाना शुरू कर दें। मक्कारी और बेशर्मी की हद तो यह है कि सरकार के हिमायती एक योगगुरु फरमाते हैं कि ज्यादा दाल खाने से मोटापा बढ़ता है इसलिए लोग दाल का सेवन ज्यादा न करें। तो सरकारी पक्ष के मूर्खता और मक्कारी से युक्त ऐसे बयान मुनाफाखोरों को लूट की खुली छूट ही देते हैं।

अगर इस महंगाई का कुछ हिस्सा उत्पादकों तक पहुंच रहा होता या अनाज और सब्जी उगाने वाले किसान मालामाल हो रहे होते, तब भी कोई बात थी, लेकिन ऐसा भी नहीं हो रहा है। इस अस्वाभाविक महंगाई का लाभ तो बिचौलिए और मुनाफाखोर बड़े व्यापारी उठा रहे हैं।

अगर सरकार को जनता से जरा भी हमदर्दी या उसकी तकलीफों का जरा भी अहसास हो तो वह अपने खुफिया तंत्र से यह पता लगा सकती है कि कीमतों में उछाल आने की प्रक्रिया कहां से शुरू हो रही है और इसका फायदा किस-किसको मिल रहा है। यह पता लगाने में हफ्ते-दस दिन से ज्यादा का समय नहीं लगता।

लेकिन अभी तो कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी की ऐसी कोई व्याख्या या वजह उपल नहीं है, जो समझ में आ सके। ऐसा लगता है कि मानो किसी रहस्यमय शक्ति ने बाजार को अपनी जकड़न में ले रखा है जिसके आगे आम जनता ही नहीं, सरकार और प्रशासन तंत्र भी असहाय और लाचार हैं।

सरकार अगर चाहे तो वह इस समय बढ़ते दामों पर काबू पाने के लिए दो तरह से हस्तक्षेप कर सकती है। पहला तो यह कि अगर बाजार से छेड़छाड़ नहीं करना है तो सरकार खुद ही गेहूं, चावल, दलहन, चीनी आदि वस्तुएं बाजार में भारी मात्रा में उतारकर कीमतों को नीचे लाए। ऐसा करने से उसे कोई नहीं रोक सकता, बशर्ते उसमें ऐसा करने की मजबूत इच्छाशक्ति हो।

हस्तक्षेप का दूसरा तरीका यह है कि बाजार पर योजनाबद्ध तरीके से अंकुश लगाया जाए। इसके लिए उत्पादन लागत के आधार पर चीजों के दाम तय कर ऐसी सख्त प्रशासनिक व्यवस्था की जाए कि चीजें उन्हीं दामों पर बिके, जो सरकार ने तय किए हैं। जब सरकार कृषि उपज के समर्थन मूल्य तय कर सकती है तो वह बाजार में बिकने वाली चीजों की अधिकतम कीमतें क्यों नहीं तय कर सकती?

इस मोर्चे पर सरकार को बिचौलियों, जमाखोरों और सट्टेबाजों के खिलाफ सख्ती से पेश आना होगा, क्योंकि चीजों का बनावटी अभाव पैदा कर उनके दामों में मनमानी बढ़ोतरी यही लोग करते हैं। प्रशासन में अगर थोड़ी भी हिम्मत और संकल्पशक्ति हो तो वह बाजार को निरंकुश होने से रोक सकता है, लेकिन अभी तो सरकार की ओर से कुछ भी होता नहीं दिख रहा है।

जाहिर है कि जनसरोकारी व्यवस्था की लगाम सरकार के हाथ से छुट चुकी है जिसकी वजह से महंगाई का घोड़ा बेकाबू हो सरपट दौड़े जा रहा है। सब कुछ बाजार के हवाले है और बाजार की अपने ग्राहक या जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। यह नग्न बाजारवाद है जिसका बेशर्म परीक्षण किया जा रहा है।

सवाल यही है कि अगर सब कुछ बाजार को ही तय करना है तो फिर सरकार के होने का क्या मतलब है? हम जिस समाज में रह रहे हैं, उस पर क्या लोकतंत्र का कोई नियम लागू होता है?

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का हो रहा है विरोध, फिर भी बेफिक्र क्यों है मोदी सरकार?

भारत में पिछले कुछ दिनों से पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में लगातार बढ़त देखी जा रही है। विपक्षी दल कांग्रेस ने इस मसले पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा है कि बीजेपी सरकार को आम लोगों की दिक्क़तों से कोई मतलब नहीं है. पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पिछले दो महीनों में ही एलपीजी गैस की कीमतें 175 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ी हैं। इसकी वजह से पहले से आर्थिक सुस्ती की मार झेल रहे आम लोगों को और ज़्यादा मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस पार्टी ने पेट्रोल की कीमतों को लेकर मोदी सरकार पर हमला जारी रखा है। कांग्रेस ने एक ट्वीट में लिखा है, "18 अक्तूबर, 2014 को मोदी सरकार ने डीज़ल पर मिलने वाली सब्सिडी को खत्म कर इसका बोझ आम जनता पर डाल दिया, तब से लेकर आज तक सरकारी लूट चालू है।" राहुल गांधी ने भी ट्वीट कर इसे मोदी सरकार की लूट बताया है।

देश के पांच प्रमुख शहरों में फ्यूल के दाम (प्रति लीटर)

शहर	पेट्रोल	डीज़ल
चेन्नई	93.11 रुपये	86.45 रुपये
दिल्ली	91.17 रुपये	81.47 रुपये
कोलकाता	91.35 रुपये	84.35 रुपये
मुंबई	97.57 रुपये	88.60 रुपये
लखनऊ	89.31 रुपये	81.85 रुपये

यह किमते 27 फ़रवरी 2021 के हैं!

लेकिन, दूसरी ओर ऐसा भी दिखाई दे रहा है कि आम लोगों की ओर से इस महंगाई पर कोई चर्चा या बहस नहीं हो रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या लोग वाकई में प्रधानमंत्री मोदी से इतने संतुष्ट हैं कि वे तेल की कीमतों में लगातार जारी महंगाई से जरा भी चिंतित नहीं हैं?

जानकारों की माने तो सरकार को पता है कि देश में एक कमजोर विपक्ष है और उसे इसी का फायदा मिलता है। इस तरह के मसलों पर विपक्ष को जोरदार तरीके से आवाज उठानी चाहिए, लेकिन विपक्ष बड़े तौर पर बिखरा हुआ है। पहले भी इस तरह की मांग उठी थी कि सरकार को ईंधन की कीमतों पर अपना नियंत्रण फिर से करना चाहिए और आम लोगों को राहत देनी चाहिए। हालांकि, सरकार इसे पूरी तरह से ख़ारिज कर चुकी है। सरकार बार-बार पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के हो रहे है विरोध पर वैश्विक बाज़ार का हवाला दे रही है। इस मामले में कांग्रेस नेता का कहना है कि वैश्विक बाज़ार में कच्ची तेल की कीमते कम हैं। सरकार झूठ बोलकर, आम जनता को लुटने का कार्य कर रही है, सरकार की नीतियाँ पूरी तरह से फेल हो चुकी हैं। कांग्रेस नेता आगे कहते हैं कि, वास्तव में सरकार आर्थिक स्तर पर कमजोर हो चुकी है और इनको आय का स्रोत सिर्फ निम्न और मध्यम वर्गीय जनता दिख रही है। सरकार गरीब जनता से लूटकर अपने बड़े व्यापारी मित्रों को लाभ पहुँचाने का काम कर रही है।

कितना है पेट्रोल-डीजल पर टैक्स?

ईंधन की कीमतें हर राज्य में अलग-अलग हैं। ये राज्य की वैट (वैल्यू ऐडेड टैक्स) दर, या स्थानीय करों पर निर्भर करती हैं। इसके अलावा इसमें केंद्र सरकार के टैक्स भी शामिल होते हैं। दूसरी ओर क्रूड ऑयल की कीमतों और फॉरेक्स रेट्स का असर भी इन पर होता है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के 16 फरवरी 2021 को दिल्ली के लिए जारी किए गए पेट्रोल की कीमतों के ब्रेकअप से पता चलता है कि पेट्रोल की बेस कीमत 32.10 रुपये प्रति लीटर बैठती है। इसमें पेट्रोल की बेस कीमत 31.82 रुपये के साथ डीलरों पर लगने वाला 0.28 रुपये प्रति लीटर का ढुलाई भाड़ा शामिल है।

अब इस पर 32.90 रुपये एक्साइज़ ड्यूटी लगती है। इसके बाद 3.68 रुपये डीलर कमीशन बैठता है। अब इस पर वैट लगता है। जो कि 20.61 रुपये प्रति लीटर बैठता है। इन सब को जोड़कर दिल्ली में पेट्रोल की रिटेल कीमत 89.29 रुपये प्रति लीटर बैठती है। पेट्रोल की कीमत यानी 35.78 रुपये (इसमें ढुलाई भाड़ा और डीलरों का कमीशन शामिल है) के मुक़ाबले ग्राहकों की चुकाई जाने वाली 89.29 रुपये प्रति लीटर की कीमत को देखें तो ग्राहकों को 53.51 रुपये टैक्स के तौर पर देने पड़ते हैं।

क्या है वजह?

वरिष्ठ अर्थशास्त्रियों के अनुसार पिछले साल महामारी की वजह से सरकार का रेवेन्यू घट गया है, जीएसटी, कॉरपोरेट टैक्स, इनकम टैक्स जैसे रेवेन्यू के ज़रिए कमजोर हुए हैं। दूसरी ओर, सरकार का ख़र्च इस दौरान काफी बढ़ा है। ऐसे में सरकार रेवेन्यू बढ़ाने और फिस्कल डेफिसिट को बढ़ने से रोकने के लिए ईंधन पर टैक्स कम नहीं कर रही है। सरकार के लिए शराब और पेट्रोल, डीज़ल कमाई का एक सबसे बढ़िया ज़रिया हैं। ये जीएसटी के दायरे में नहीं आते हैं, ऐसे में इन पर टैक्स बढ़ाने के लिए सरकार को जीएसटी काउंसिल में नहीं जाना पड़ता है।

ज़ात हो कि महामारी के दौरान क्रूड के दाम नीचे आए, ऐसे में इसी हिसाब से पेट्रोल के दाम भी गिरने चाहिए थे, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया।

क्या सरकार कीमतें घटा नहीं सकती है?

निश्चित तौर पर सरकार के पास पेट्रोलियम उत्पादों के दाम घटाने के विकल्प हैं। इनमें कीमतों को डीरेगुलेट करने और इन पर टैक्स घटाने के विकल्प शामिल हैं। ज़ात हो कि सरकार के पास डायरेक्ट टैक्स बढ़ाने का विकल्प था। महामारी के दौरान भी जिन सेक्टर के लोगों की कमाई बढ़ी या बरकरार रही, उन पर ज्यादा टैक्स सरकार लगा सकती थी।

साथ ही सरकार पेट्रोल पर टैक्स को घटा भी सकती है। ये पूरी तरह से सरकार के हाथ में है। आप टैक्स घटाकर ईंधन सस्ता कर सकते हैं और लोगों को राहत दे सकते हैं। लेकिन, सरकार ऐसा करना ही नहीं चाहती है। जानकारों के अनुसार एक्साइज़ और वैट में कटौती की भरपाई सरकारें अपने बेफिज़ूल के खर्चों को कम करके कर सकती हैं।

भारत में बढ़ती बेरोजगारी की समस्या।

मिथिलेश पटेल

कोरोना वायरस महामारी से स्वास्थ्य क्षेत्र, अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सबसे बड़ा धक्का भारत के रोजगार क्षेत्र को पहुंचा है। धीरे धीरे अर्थव्यवस्था पटरी पर आ रही है किंतु बेरोजगारी की समस्या दिन पर दिन बढ़ते ही जा रही है। भारतीय युवा नाराज हैं क्योंकि उनके अनुसार सरकार कुछ कर नहीं रही, और यदि अब इस समस्या का हल ना ढूंढा गया तो आने वाले समय में भारत और भी पीछे चला जाएगा। बढ़ती बेरोजगारी के कारण अमीर और गरीब का भेदभाव बढ़ेगा, बच्चे अच्छी शिक्षा नहीं प्राप्त कर पाएंगे, अच्छी भोजन से वंचित होंगे, जिससे आगे चलकर विकास बाधित होगा।

बेरोजगारी के आंकड़े –

ट्विटर पर बीते माह #मोदी_रोजगार_दो हैशटैग काफी लोकप्रिय रहा, इस हैशटैग के साथ तकरीबन 20 लाख ट्वीट्स मिले हैं, मतलब इतना तो साफ है कि भारतीय युवाओं के अंदर बेरोजगारी को लेकर काफी आक्रोश है। भारत में प्रतिवर्ष एक करोड़ लोग नौकरी की तलाश में निकलते हैं, यानी कि इस हिसाब से भारत में प्रतिवर्ष एक करोड़ नौकरियों की आवश्यकता है। 2020 के आंकड़ों के मुताबिक भारत में तकरीबन 40 करोड़ लोग नौकरी करते हैं जबकि 2020 में तकरीबन 3 करोड़ बेरोजगार हैं। कोरोनावायरस लॉकडाउन के कारण बेरोजगारों की संख्या और भी बढ़ गयी है। 2016 से ही भारत में नौकरी पेशा लोगों की संख्या घट रही है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि किस प्रकार साल दर साल बेरोजगारी बढ़ता जा रही है। कोरोनावायरस के कारण भारत को तकरीबन 30 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। आज के समय में तकरीबन 3 करोड़ 50 लाख लोग बेरोजगार है, यह संख्या उन लोगों की है जो नौकरी करने के काबिल हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था यदि तेजी से बढ़ती भी रही तो इससे बेरोजगारी कम नहीं हो सकती। बेरोजगारी हटाने के लिए सरकार को नौकरियों का इंतजाम करना होगा। आज के समय में यदि कोई बेरोजगार है तो उनके साथ साथ उनका परिवार की बेरोजगारी की मार झेल रहा है, जहां बच्चों को सही खाना और

शिक्षा नहीं मिल पा रही है, किसी बीमार के इलाज में देरी हो रही है, और हर पल एक परिवार गरीबी की दलदल में फंसता जा रहा है। हमें बस उन लोगों की संख्या बताते हैं जो लोग नौकरी की तलाश में हैं पर उन्हें नौकरी मिलती नहीं, इसके अलावा ऐसे करोड़ों लोग होंगे जो बेरोजगार हैं। इसलिए बेरोजगारी की असली संख्या आज भी बहुत बड़ी है।

बेरोजगारी से होने वाली समस्याएं –

बेरोजगारी के कारण सभी समस्याएं बढ़ जाती है, उन सभी में से मुख्य है गरीबी, बेरोजगारी से गरीबी बढ़ती है, जिसके कारण बच्चों को शिक्षा नही मिल पाती है, बीमारियाँ बढती हैं। इसके अलावा बेरोजगारी के कारण अपराध दर बढ़ जाता है क्योंकि युवाओं को नौकरी नहीं मिलती तो कई बार युवा गलत रास्ते अपनाने लग जाते हैं, जिनके कारण अपराध का दर बढ़ जाता है और इससे समाज को बहुत बड़ा खतरा है। बेरोजगारी से अवसाद और सुसाइड जैसे मामले और भी बढ़ने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि इस पर एक ठोस कदम उठाया जाए और देश में बेरोजगारी हटाने पर सभी बात करें और इस समस्या को जल्द से जल्द खत्म किया जाए।

क्या है देश में बेरोजगारी के कारण?

बेरोजगारी के कई सारे कारण है, जिनमे से मौजूदा वक़्त में कोरोनावायरस महामारी मुख्य कारण है, जिसके कारण कई सारे व्यापार नुकसान में चले गए जिसके बाद उन्हें बंद करना पड़ा और लोगों ने अपनी नौकरियां गवा दी। लेकिन ज़ात हो कि भारत में बेरोजगारी तो कोरोनावायरस महामारी के पहले से ही बढ़ती जा रही है। भले ही जीडीपी का आंकड़ा ऊपर जा रहे हों किंतु बेरोजगारी भी उसी प्रकार बढ़ रही है।

बेरोजगारी बढ़ने के कुछ मुख्य कारण हैं –

– भारत में कुशल श्रमिकों की कमी, यानी कि हमें ऐसे वर्कर्स की जरूरत है जिनके पास कौशल ज़ान हो, किंतु भारत का शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों के अंदर कौशल डालता ही नहीं।

– भारत का बढ़ रहा आबादी भी बेरोजगारी का एक मुख्य कारण है, यहाँ पर नौकरियां कम है और लोग ज़्यादा. ऐसे में अचानक से नौकरियां बढ़ा देना मुमकिन नहीं है। जिसके कारण कई सारे युवाओं को बेरोजगारी का सामना करना पड़ता है।

– कृषि क्षेत्र एक मौसमी पेशा है, भारत का ज्यादातर वर्क फोर्स कृषि क्षेत्र में ही रोजगार है। ऐसे में मौसम खराब होने पर, या सही फसल ना होने पर, कृषि क्षेत्र में जो लोग काम कर रहे हैं उन पर भी दबाव आता है, जहां लोग काम तो करते हैं किंतु सही से कमा नहीं पाते।

– भारत में बेरोजगारी के लिए कहीं न कहीं सरकार भी जिम्मेदार है। जहां पर बिहार चुनाव में हमने बेरोजगारी को लेकर लोगों के बीच गुस्सा देखा, वहीं पर सरकार अभी भी ठोस कदम नहीं उठा रही है। इस साल के बजट में भी सरकार द्वारा बेरोजगारी को हटाने के लिए कुछ खास नहीं किया गया। अब सरकार ज्यादातर प्राइवेटाइजेशन पर फोकस कर रही है. मतलब साफ है कि सरकार स्वयं रोजगार नहीं देगी, नहीं बनाएगी. बल्कि यह जिम्मेदारी सरकार प्राइवेट क्षेत्र पर छोड़ रही है।

– बेरोजगारी का एक और कारण है भ्रष्टाचार, देश में भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है. कई बार ऐसे देखने को मिले हैं जहां पर क्वालिफिकेशन ना होने पर भी घूस देकर भर्ती हो जाती है। वहीं पर शिक्षित व्यक्ति बेरोजगार बन जाता है। सरकार नौकरियों की घोषणा तो कर देती है लेकिन सालों तक परीक्षा के बाद रिजल्ट ही नहीं घोषित होते, ना ही समय पर भर्ती।

क्या किया जा सकता है?

– यदि बढ़ती जनसंख्या बेरोजगारी का कारण बन रही है तो सरकार को फैमिली प्लैनिंग जैसी सुविधाओं पर ध्यान देना होगा। यदि देखा जाए तो दक्षिण भारत की जनसंख्या कम हुई है और वहीं पर उत्तर भारत की बढ़ी है। क्योंकि दक्षिण भारत में सरकारों ने सही तरीके से फैमिली प्लानिंग पर जोर दिया और लोगों को इसके बारे में शिक्षित किया, जरूरी है कि इस चीज पर ध्यान दिया जाए और लोगों को छोटे परिवार रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

– भारत के शिक्षा प्रणाली में बदलाव, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रणाली सुनने में तो काफी अच्छी लगी किंतु सरकार इसे किस प्रकार लागू करती है इस पर बहुत कुछ निर्भर करता गई। जरूरी है कि शिक्षा बच्चों को सिर्फ डिग्री के लिए ना दी जाए बल्कि कौशलता और विकास के लिए दिया जाए। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि डॉक्टर और इंजीनियर के अलावा और भी ऐसे कई सारे क्षेत्र है जहां पर वह योगदान दे सकते हैं।

– भारतीय कृषि क्षेत्र में बदलाव की अत्यंत आवश्यकता है। किसान बिल पर आंदोलन अवश्य चल रहा है किंतु सरकार को किसान बिल से अच्छे बदलाव कृषि क्षेत्र में लाने की आवश्यकता है। छोटे–मोटे किसानों को लोन मिले इस बात पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। यदि भारत में कृषि क्षेत्र तेजी से विकसित होता है तो भारत के गांव में रहने वाले लोगों की समस्याएं अपने आप कम होने लग जाएंगी।

– भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना, जिससे भारत में नए इंडस्ट्रीज बनेंगे इससे कई लोगों को रोजगार मिल सकता है। लेकिन जरूरी है कि हम ऐसे विकास भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लाएं ऐसे लोगों को नौकरियों की तलाश में दूर दूर ना जाना पड़े।

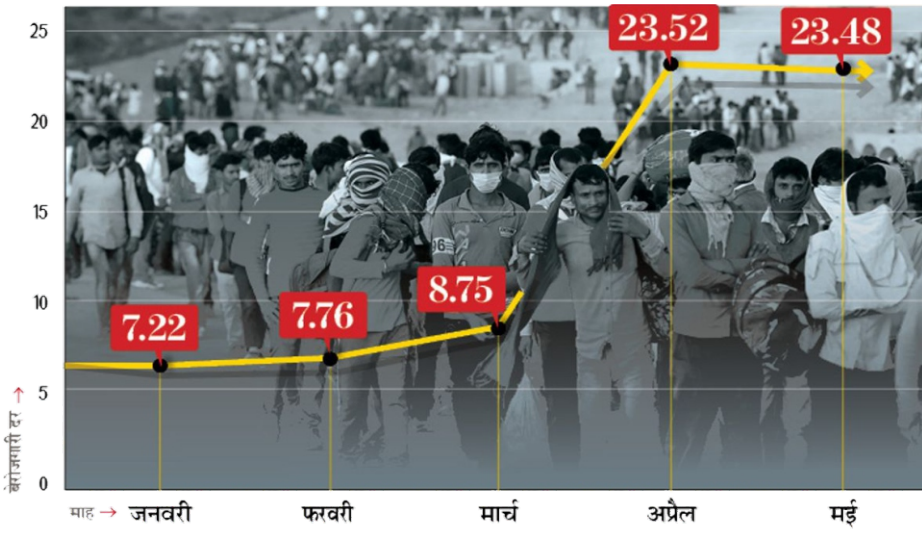

हेल्थकेयर, इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर पर रहा वित्त मंत्री का जोर, टैक्स के मोर्चे पर हुए ये ऐलान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2021-22 के बजट के जरिए न्यू इंडिया का खाका देश के समक्ष रखा। कोरोना महामारी की पृष्ठभूमि में अभूतपूर्व बजट (Union Budget 2021) पेश करते हुए सीतारमण ने हेल्थकेयर, इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में निवेश के जरिए रोजगार सृजन पर जोर दिया है। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि कोविड-19 संकट के बाद से अबतक सरकार कई मिनी बजट ला चुकी है। सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह बजट छह प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। कोरोना महामारी की वजह से इस बार का बजट पेपरलेस हो गया। वित्त मंत्री ने एक टैब के जरिए अपना तीसरा बजट पेश किया।

बजट से जुड़ी खास बातें इस प्रकार हैः

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण समाप्त होने के बाद शेयर बाजारों में काफी अधिक तेजी देखने को मिली। दोपहर 01:12 बजे BSE Sensex पर 1,491 अंक यानी 3.22 फीसद के उछाल के साथ 47,776.77 अंक पर ट्रेंड कर रहा था। वहीं, NSE Nifty 438.50 अंक यानी 3.22 फीसद के उछाल के साथ 14,073.10 अंक के स्तर पर ट्रेंड कर रहा था।

सीतारमण ने 15वें वित्त आयोग की रिपोर्ट लोकसभा में रखी।

नया एग्री इन्फ्रा डेवलपमेंट सेस दो फरवरी, 2021 से प्रभावी हो जाएगा।

वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में क्रूड पाम ऑयल पर 17.5 फीसद, क्रूड सोयाबीन, सनफ्लावर पर 20 फीसद का एग्री इन्फ्रा सेस लगाया गया है।

वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में पेट्रोल पर प्रति लीटर 2.5 रुपये और डीजल पर प्रति लीटर चार रुपये का 'एग्री इन्फ्रा सेस' लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। वहीं, काबुली चना पर 30 फीसद, मटर पर 10 फीसद, मसूर पर 20 फीसद और कॉटन पर पांच फीसद का एग्री इन्फ्रा सेस लगाने की घोषणा हुई है।

इसके अलावा सरकार ने सोने, चांदी एवं डोर बार पर 2.5 फीसद, सेब पर 35 फीसद, कुछ खास फर्टिलाइजर्स पर पांच फीसद, कोयला पर 1.5 फीसद का एग्री इन्फ्रा सेस लगाने का ऐलान किया है।

इसके अलावा वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में अल्कोहलिक पदार्थों पर 100 फीसद का एग्री इन्फ्रा सेस लगाया जाएगा।

सीतारमण ने अपने बजट भाषण में बुजुर्गों के लिए कई अहम ऐलान किए। उन्होंने कहा, ''स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में देश नई ऊर्जा के साथ काम कर रहा है। अब हम 75 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों पर और ज्यादा भार नहीं लादना चाहते हैं। अब पेंशन आय वाले साल से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को कर रिटर्न भरने की जरूरत नहीं होगी। बैंक आयकर में से रिडक्शन का काम कर लेगा।'' वित्त मंत्री ने सोना और चांदी पर कस्टम ड्यूटी को अधिक तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव दिया है।

सीतारमण ने वित्त वर्ष 2021-22 में कुछ ऑटो पार्ट्स, सोलर पार्ट्स पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा कॉटन, रॉ सिल्क पर भी कस्टम ड्यूटी बढ़ाने की घोषणा की गई है। सीतारमण ने कुछ सामानों पर इन्फ्रा डेवलपमेंट सेस लगाने का प्रस्ताव दिया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि लाभांश के भुगतान के बाद ही लाभांश से होने वाली आय पर एडवांस टैक्स की देनदारी बनेगी। सीतारमण ने कहा कि सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अधिक निवेश को आकर्षित करने के लिए नियमों में राहत देने का प्रस्ताव दिया है।

सीतारमण ने कहा कि अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए 1.5 लाख रुपये के ब्याज के भुगतान पर डिडक्शन को एक साल के लिए बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप कंपनियों के लिए टैक्स होलीडे को एक साल के लिए बढ़ाया जाता है। स्टार्टअप में निवेश से होने वाले पूंजीगत लाभ पर छूट को एक और साल के लिए बढ़ाया गया।

सीतारमण ने प्रवासी श्रमिकों के लिए नोटिफाइड अफोर्डेबल हाउस और अफोर्डेबल हाउसिंग पर ब्याज के भुगतान में मिलने वाली छूट को एक साल के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 9.5 फीसद पर रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे के 6.8 फीसद पर रहने का अनुमान सीतारमण ने व्यक्त किया है।

सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में ग्रामीण क्षेत्र में इन्फ्रा सेक्टर के विकास के लिए आवंटन को बढ़ाकर 40,000 करोड़ रुपये कर दिया है। वित्त मंत्री ने पांच प्रमुख फिशिंग हब बनाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 1,000 और मंडियों को इलेक्ट्रॉनिक नेशनल मार्केट से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म और गिग वर्कर्स तक सामाजिक सुरक्षा से जुड़े लाभ का विस्तार किया जाएगा।

सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में ग्रामीण क्षेत्र में इन्फ्रा सेक्टर के विकास के लिए आवंटन को बढ़ाकर 40,000 करोड़ रुपये कर दिया है।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कृषि खरीद धीरे-धीरे बढ़ी है, जिससे किसानों को फायदा हुआ है। सीतारमण ने कहा कि 43.36 लाख गेहूं किसानों को सरकार की एमएसपी स्कीम का लाभ मिला है। यह आंकड़ा पूर्व में 35.57 लाख पर है। किसानों को वित्त वर्ष 2020-21 में गेहूं पर 75,100 करोड़ रुपये की MSP दी गई है। सीतारमण ने वित्त वर्ष 2021-22 में एग्री क्रेडिट के लक्ष्य को बढ़ाकर 16.5 लाख करोड़ रुपये करने की घोषणा की है।

सरकार ने शहरी इलाकों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को और बेहतर बनाने के लिए 18,000 करोड़ रुपये की स्कीम का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2023 तक ब्रॉड गेज रेलवे लाइनों का पूरी तरह से इलेक्ट्रिफिकेशन किया जाएगा।

जल जीवन मिशन के लिए अगले पांच साल में शहरी ग्रामीण क्षेत्रों में 2.87 लाख करोड़ रुपये: सीतारमण

वित्त मंत्री ने कहा कि सप्लीमेंट्री पोषण कार्यक्रम और POSHAN अभियान के विलय के जरिए मिशन POSHAN 2.0 की शुरूआत होगी। इसके तहत पोषण संबंधी सामग्री, वितरण और परिणाम को मजबूती के लिए, आकांक्षी जिलों में पोषण परिणामों में सुधार किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि BPCL, Air India, Shipping Corp, Container Corp और अन्य विनिवेश इस साल पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि LIC का IPO वित्त वर्ष 2021-22 में आएगा। सीतारमण ने कहा कि नीति आयोग ऐसी सरकारी कंपनियों की लिस्ट तैयार करेगी, जिनका अगले चरण में विनिवेश किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि एनसीएलटी फ्रेमवर्क को मजबूत बनाया जाएगा।

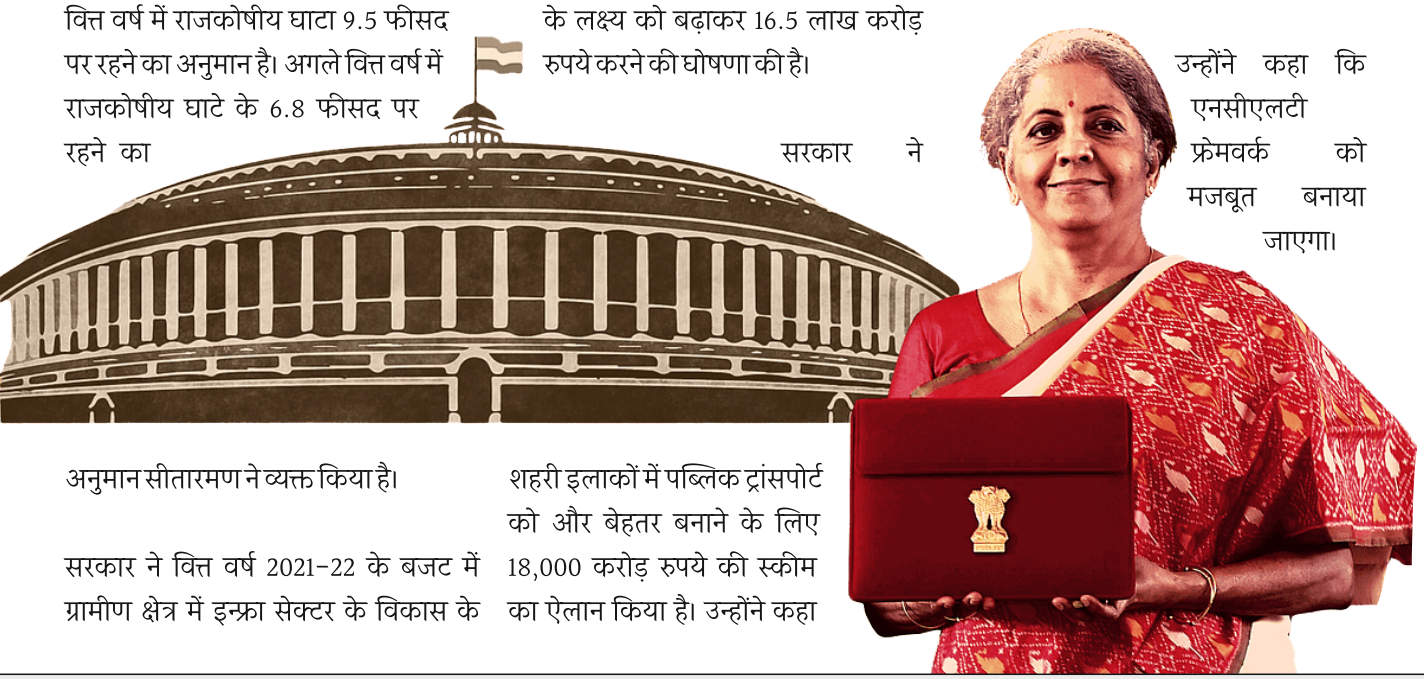

सीतारमण ने कहा कि छोटी कंपनियों की परिभाषा बदली जाएगी। इसके लिए पूंजीगत आधार को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये किया जाएगा।

उज्ज्वला योजना के तहत एक करोड़ और लाभार्थियों को जोड़ा जाएगा, अभी तक 8 करोड़ लोगों को इस स्कीम का लाभ उपल कराया गया है।

जम्मू-कश्मीर में भी गैस पाइपलाइन योजना की शुरुआत की जाएगी: सीतारमण

वित्त मंत्री ने पब्लिक सेक्टर बैंकों में 20,000 करोड़ रुपये की पूंजी डालने का ऐलान किया। इसके अलावा दो सरकारी बैंकों एवं एक इंश्योरेंस कंपनी के विनिवेश की घोषणा की। सरकार ने सभी गैर-रणनीति और रणनीतिक क्षेत्रों में विनिवेश की नीति को अपनी मंजूरी दे दी है।

सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 में विनिवेश के जरिए 1.75 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है।

Rail Budget 2021-22: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में रेलवे के लिए रिकॉर्ड 1,10,055 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें से 1,07,100 करोड़ रुपये का इस्तेमाल पूंजीगत व्यय के लिए किया जाएगा।

Union Budget 2021: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंश्योरेंस सेक्टर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की सीमा को 49 फीसद से बढ़ाकर 74 फीसद करने की घोषणा की।

सीतारमण ने 'Urban Swachh Bharat Mission 2.0' की घोषणा की है। अगले पांच साल में इस स्कीम पर 1,41,678 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि गेल (इंडिया) लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOC) और HPCL के पाइपलाइनों का मुद्रीकरण किया जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन के तहत एक लाख करोड़ रुपये मूल्य की 217 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। उन्होने कहा कि सरकार का लक्ष्य इस साल 11,000 किलोमीटर की हाईवे परियोजनाओं को पूरा करना है। रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए और इकोनॉमिक कॉरिडोर बनाए जाने का प्रस्ताव है।

सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि अगले तीन वर्षों में सात टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना की जाएगी।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्राइमरी, सेकेंडरी और टेरटियरी हेल्थकेयर के लिए पहले से मौजूद योजनाओं के अलावा एक नई केंद्रीय पोषित स्कीम 'Aatmanirbhar Health Yojana' शुरू की जाएगी। इसके लिए 64,180 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि बजट 2021-22 छह स्तंभों पर आधारित है। इनमें हेल्थ एंड वेलबिइंग (Health & wellbeing), वित्तीय पूंजी (Financial capital), समावेशी विकास (Inclusive growth), मानव पूंजी (Human capital), इनोवेशन एंड आरएंडडी (Innovation & R & D) और मिनिमम इंटरवेंशन्स (Minimum interventions) शामिल हैं।

भारत में कोविड-19 के दो वैक्सीन उपल हैं। आने वाले समय में हम और वैक्सीन की उम्मीद कर सकते हैं। भारत दुनिया के उन देशों में शामिल हैं, जहां कोरोना की वजह से मृत्युदर बहुत कम है। सरकार 'इकोनॉमिक रिसेट' के लिए पूरी तरह तैयार है: सीतारमण

सरकार ने गरीब से गरीब व्यक्तियों तक लाभ पहुंचाने के लिए अपने संसाधनों को बढ़ाया। पीएम गरीब कल्याण योजना, तीन #AatmanirbharBharat पैकेज और उसके बाद कई घोषणाएं अपने आप में पांच मिनी बजट की तरह थीं : वित्त मंत्री

हमने पिछले बजट के समय ग्लोबल स्लोडाउन की कल्पना भी नहीं की थी। मई 2020 में हमने रिकवरी सुनिश्चित करने के लिए आत्मनिर्भर पैकेज की घोषणा की थी। आत्मनिर्भर भारत पैकेज और प्रधानमंत्री योजना अपने आप में 3-4 मिनी बजट के बराबर थे। कोविड-19 से निपटने के लिए सरकार ने देश की जीडीपी के 13 फीसद के बराबर का सपोर्ट किया।

सरकार ने 80 करोड़ लोगों के लिए मुफ्त खाद्यान्न उपल कराया। मई 2020 में सरकार ने आत्मनिर्भर पैकेज का ऐलान किया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण पढ़ना शुरू किया। उन्होंने कहा कि अभूतपूर्व परिस्थितियों में इस बजट का निर्माण हुआ है।

केंद्रीय कैबिनेट ने बजट 2021-22 को अपनी मंजूरी दे दी है।

संसद पहुंचने से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और वित्त वर्ष 2021-22 की बजट को लेकर उन्हें ब्रीफ किया।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में एक टैब पर पढ़ेंगी वित्त वर्ष 2021-22 का बजट।

नॉर्थ ब्लॉक से लाल रंग के इनवेलप में बजट 2021-22 को लेकर नॉर्थ ब्लॉक से निकलीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनकी पूरी टीम। इस इनवेलप में एक टैब है, जिसके जरिए वित्त मंत्री बजट पेश करेंगी।

इससे पहले वित्त राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा था कि यह बजट लोगों के उम्मीदों के अनुरूप होगा। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र पर काम करने वाली सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज के ऐलान, देश को महामारी से बचाकर और इकोनॉमी को धीरे-धीरे पटरी पर लाकर भारत को नई दिशा दी है।

इससे पहले क्रीम और लाल रंग की साड़ी में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपने दफ्तर पहुंचीं।

यह बजट काफी अहम है क्योंकि कोरोना महामारी की वजह से चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की इकोनॉमी में 23.9 फीसद का अभूतपूर्व संकुचन (Contraction) देखने को मिली थी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर (-) 7.5 फीसद पर रही थी।

आम बजट 2021-22 से नए साल और नए दशक की दिशा तय होगी। वित्त वर्ष 2021-22 में 11 फीसद की दर से जीडीपी वृद्धि की उम्मीद जतायी गई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार की अगुवाई में तैयार आर्थिक समीक्षा में भी इसी दर से आर्थिक वृद्धि का अनुमान जाहिर किया गया है।

वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने वित्त वर्ष 2021-22 का बजट पेश किए जाने से पूर्व अपने आवास पर पूजा-अर्चना की।

विश्लेषक इस बात की उम्मीद कर रहे थे कि इस बजट में रियल एस्टेट सेक्टर के डिमांड को बूस्ट करने के लिए सरकार महत्वपूर्ण कदम उठा सकती है।

इस साल स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केंद्रीय बजट का दस्तावेजों पर प्रकाशन नहीं हुआ। सरकार ने कोरोना संकट को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है।

वित्त मंत्री को जानिए:

नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में निर्मला सीतारमण को वित्त मंत्री बनाया गया था।

नारायणन सीतारमण और सावित्री के परिवार में 18 अगस्त, 1959 को हुआ था निर्मला सीतारमण का जन्म। तमिलनाडु के मदुरै में हुआ था निर्मला सीतारमण का जन्म। निर्मला सीतारमण ने 12 सितंबर, 1986 को पी प्रभाकर से की शादी।

मौजूदा वित्त मंत्री ने तिरुचिरापल्ली के सीतालक्ष्मी रामास्वामी कॉलेज और नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से की है पढ़ाई।

सीतारमण ने सोमवार को अपना तीसरा और नरेंद्र मोदी सरकार का कुल नौवां (एक अंतरिम बजट सहित) केंद्रीय बजट पेश किया।

योगी आदित्यनाथ सरकार का पेपरलेस बजट, किसानों को मुफ्त पानी और सस्ते लोन की व्यवस्था!

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सोमवार को विधानमंडल के दोनों सदनों में वित्तीय वर्ष 2021-21 के लिए 5,50,278.78 करोड़ रुपये का भारी भरकम बजट पेश किया। सूबे के इतिहास का पहला कागज रहित और अपना पांचवां व आखिरी पूर्ण बजट पेश करते हुए सरकार ने चुनावी साल में मिशन 2022 के लक्ष्य संधान के लिए सारे जतन बजट में किए हैं। कोरोना महामारी का तीखा दंश झेलने के बावजूद सूबे के विकास की बड़ी लकीर खींचने की खातिर सरकार ने हौसला दिखाते हुए बुनियादी ढांचे के विकास को रफ्तार देने के लिए धनवर्षा की है। वहीं श्रमिकों, महिलाओं, किसानों और युवाओं को सौगातें देने के लिए भी खजाना खोला है। कोरोना आपदा से सबक लेते हुए सरकार ने कोविड टीकाकरण समेत स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए भी कदम उठाए हैं। अयोध्या और काशी पर फोकस बरकरार रख सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का परचम भी लहराया है तो गौ माता के प्रति अपने सरोकारों को विस्तार दिया है।

योगी आदित्यनाथ सरकार बजट में 27,598.4 करोड़ रुपये की नई योजनाएं शामिल हैं। चुनावी हसरतों को परवान चढ़ाने के लिए सरकार ने राजकोषीय घाटे को सकल राज्य घरेलू उत्पाद के चार फीसद से पार जाने का भी जोखिम उठाया है। सुबह 11 बजे विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 100 मिनट में बजट पेश किया तो विधान परिषद में यह जिम्मेदारी नेता सदन डॉ.दिनेश शर्मा ने निभाई।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि पांच लाख 50 हजार 270 करोड़ 78 लाख के आकार का वित्तीय वर्ष 2021-22 बजट उत्तर प्रदेश का समग्र विकास सुनिश्चित करने तथा राज्य की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण काल में काफी ऐतिहासिक काम हुआ है। सरकार ने 54 लाख लोगों को भरण-पोषण भत्ता दिया। इसके साथ मनरेगा में 29.58 करोड़ मानवदिवस सृजित किया। 40 लाख प्रवासी श्रमिकों को रोडवेज ने अपने घरों को भेजा। उन्होंने कहा कि 2020 पूरे विश्व के लिए चुनौती पूर्ण रहा है। इसमें भी प्रदेश के चिकित्सा तंत्र के साथ पुलिस विभाग ने भी बड़े स्तर पर काम किया। खन्ना ने बताया कि प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य को लेकर सरकार बेहद गंभीर है। इसके लिए 1950 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तवित है। लखनऊ के संजय गांधी पीजीआई में नई लैब की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही नौ मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है। पीजीआई लखनऊ में डायबिटिक रोगियों के लिए अलग नई व्यवस्था की जाएगी।

किसानों पर मेहरबानी : वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि प्रदेश में अधिक उत्पादन वाली फसलों को चिह्नित किया जाएगा। ब्लॉक स्तर पर कृषक उत्पादन संगठनों की स्थापना की जाएगी। इसके लिए सौ करोड़ रुपये भी दिए जाएंगे। इसके अलावा उन्होंने घोषणा की है कि किसानों को मुफ्त पानी की सुविधा के लिए 700 करोड़ रुपये दिये जाएंगे। साथ ही किसानों को रियायती दाम पर लोन देने का ऐलान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसानों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 600 करोड़ रुपया की धनराशि प्रस्तावित की गई है। सरकार ने कृषक पेंशन के साथ ही किसानों की कर्जमाफी तो की है।अब प्रदेश के किसानों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना प्रारंभ की गई है। इसके लिए 600 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित की गई है। किसानों को दो करोड़ 40 लाख रुपया की किसानों को सम्मान निधि दी गई।

अयोध्या तथा एयरपोर्ट के विकास पर फोकसः योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश का फोकस अयोध्या के साथ एयर कनेक्टिविटी पर है। सरकार ने बजट में ग्रेटर नोएडा के जेवर एयरपोर्ट के लिए दो हजार करोड़ रुपया तथा अयोध्या के मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एयरपोर्ट के लिए 101 करोड़ रुपया दिया है। इसके साथ ही चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट 2021 में सक्रिय हो जाएगा। अयोध्या में बनने वाले एयरपोर्ट का नाम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम हवाई अड्डा होगा। एयरपोर्ट के साथ ही अयोध्या के विकास के लिए 140 करोड़ दिया गया है। लखनऊ में 50 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल विकसित होगा, जबकि वाराणसी-गोरखपुर में मेट्रो के लिए 100 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

विभिन्न जिलों में अधिवक्ता चैंबर निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपए का आवंटन। युवा अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए पांच करोड़ रुपए का कार्पस फंड आवंटित किया गया है। प्रदेश के सभी मंडलों में अटल स्कूल खोले जाएंगे। इसके साथ ही 2000 रुपया अटल पेयजल योजना में प्रस्तावित है। जलजीवन मिशन के लिए 15 हजार करोड़ की व्यवस्था है। प्रदेश में आरोग्य जल के लिए 22 करोड़ का बजट प्रस्तावित है। अभ्युदय योजना में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए चयनित अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर टैबलेट दिया जाएगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे को 1107 रुपया दिया जाएगा।

बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि 2020-21 का बजट युवाओं और उनके रोजगार को समर्पित है। प्रदेश की हर महिला को सुरक्षा दे रहे हैं। अपराधियों पर सरकार कठोर कार्रवाई कर रही है। बजट में यूपी को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि शिकायतों का तेजी से निपटारा किया जा रहा है। किसानों के खातों में 6800 करोड़ से ज्यादा रुपये भेजे गए है। किसानों को सस्ते लोन के लिए बजट में 400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

किसको मिला कितना बजट?

-कन्या सुमंगल योजना के लिए 1200 करोड़

-महिला शक्ति केंद्रों के लिए 32 करोड़ रुपये

-गांव में स्टेडियम के लिए 25 करोड़ रुपये

-संस्कृत स्कूलों में फ्री छात्रावास की सुविधा

-बीमा के लिए 600 करोड़ की व्यवस्था

-अधिवक्ता चैंबर के लिए 20 करोड़ रुपये

-प्रदेश की नहरों के लिए 700 करोड़ रुपये

-डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के लिए 32 करोड़ रुपये

-पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के लिए 1107 करोड़ रुपये

-निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों के लिए 950 करोड़ रुपये

-चित्रकूट में पर्यटन के लिए 20 करोड़ रुपये

-वाराणसी में पर्यटन के लिए 100 करोड़ रुपये

-सीएम जन आरोग्य योजना के लिए 142 करोड़ रुपये

-कुपोषण मुक्त बनाने के लिए 100 करोड़ रुपए।

-महिला समर्थ योजना के लिए 200 करोड़ रुपए जिसमें विभिन्न योजनाएं शामिल।

-महिला शक्ति केंद्रों की स्थापना के लिए 32 करोड़।

-अभ्युदय प्रतियोगी छात्रों के लिए फ्री में टेबलेट।

-गांव में ओपन जिम के लिए 25 करोड़।

-गांव में स्टेडियम के लिए 25करोड़।

-प्रवासी मजदूरों के लिए 100 करोड़ की योजना।

-पंजीकृत मजदूरों के बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय।

-सभी मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय खोले जाएंगे

-युवा वकीलों के लिए 20 करोड़ की व्यवस्था। वकीलों के लिए चेंबर बनाए जाएंगे।

-100 करोड़ रुपए नए गौशाला के लिए और 100 करोड़ रुपए निराश्रित पशुओं के लिए दिया गया।

-सीएम जन आरोग्य योजना के लिए 142 करोड़ रुपए।

-13 जनपदों में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों के लिए 1950 करोड़ रुपए।

-2021-22 से शुरू हो रहे मेडिकल कॉलेजों के लिए 960 करोड़ रुपए।

-किसानों को सस्ता लोन देने के लिए 400 करोड़ रुपए।

-संजय गांधी पीजीआई में उन्नत मधुमेह केंद्र बनाया जाएगा।

-नौ मेडिकल कॉलेजों में इसी वर्ष से एमबीबीएस की पढ़ाई।

-एम्स गोरखपुर में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू।

-वाराणसी में गोकुलधाम की स्थापना होगी।

-आयुर्वेदिक यूनानी होम्योपैथिक अस्पताल बनाए जाएंगे

-हर घर पेयजल पहुंचाने के लिए 15000 करोड रुपए।

-स्वच्छ भारत मिशन के लिए 2031 करोड़ रुपए।

-जल निकासी के लिए 131 करोड़ रुपए।

-पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लिए 1160 करोड़ रुपए।

-बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के लिए 1492 करोड़ रुपए।

-गंगा एक्सप्रेस वे के लिए 7689 करोड़ रुपए।

-गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे के लिए 860 करोड़ रुपए।

-पूर्वांचल विकास के लिए 300 करोड़ रुपए।

-सड़कों को ठीक करने के लिए पीडब्ल्यूडी को 12441 करो रुपए।

-गंगा एक्सप्रेसवे के लिए 400 करोड़ से एक्सप्रेसवे जमीन अधिग्रहण के लिए।

-सरयू नहर परियोजना के लिए 610 करोड़ों रुपए।

-पूर्वी गंगा परियोजना के लिए 272 करोड रुपए

-केन बेतवा लिंक परियोजना के लिए 104 करोड रुपए।

-कानपुर मेट्रो को 880 करोड रुपए।

-वाराणसी व गोरखपुर मेट्रो के लिए 100 करोड़।

-उत्तर प्रदेश के 10 शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 2000 करोड रुपए।

-पीएम आवास योजना (शहरी) के घटक अर्फोडेबल हाऊसिंग इन पार्टनरशिप के लिए 10029 करोड़ रुपए।

-आगरा मेट्रो के लिए 471 करोड़ों रुपए।

प्रदेश सरकार के विभागवार बजट का ब्यौरा

संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य- 364 करोड़: गोरखपुर के चौरी चौरा कांड के सौ वर्ष होने पर शताब्दी महोत्सव में वर्ष भर के आयोजन के लिए 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था। अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि मंदिर अयोध्या धाम तक पहुंच मार्ग के लिए 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था। लखनऊ में उत्तर प्रदेश जनजातीय संग्रहालय के निर्माण के लिए आठ करोड़ रुपये तथा शाहजहांपुर में स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय की वीथिकाओं के लिए चार करोड़ रुपये की व्यवस्था। प्रदेश में अब तक जो भी ख्यातिल साहित्यकार एवं कलाकार किसी पुरस्कार से सम्मानित नहीं हो सके हैं, उनको उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष अधिकतम पांच व्यक्तियों को सम्मानित किया जायेगा। सम्मानित प्रत्येक व्यक्ति को 11 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जायेगी।

पर्यटन विभाग-450 करोड़ रुपये: रामनगरी अयोध्या में पर्यटन सुविधाओं के विकास एवं सौन्दर्यीकरण के लिए सौ करोड़ रुपये की व्यवस्था। वाराणसी में पर्यटन सुविधाओं के विकास तथा सौन्दरीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना के लिए 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था। चित्रकूट में पर्यटन विकास की विभिन्न योजनाओं के लिए 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था। इसके अतिरिक्त विन्ध्याचल एवं नैमिषारण्य में स्थल विकास के लिए 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

वन एवं पर्यावरण विभाग -1065 करोड़ रुपये:प्रदेश में वर्ष 2030 तक वनावरण एवं वृक्षावरण 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य। 2021 व 2022 के वृक्षारोपण का लक्ष्य 65 35 करोड़ निर्धारित। प्रतीकारात्मक वनरोपण योजना के लिए 600 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था। सामाजिक वानिकी कार्यक्रम को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

समाज कल्याण विभाग - 5030 करोड़ रुपये: प्रदेश में वृद्धावस्था व किसान पेंशन योजनान्तर्गत 3100 करोड़ रुपये की व्यवस्था। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था।अनुसूचित जाति पूर्वदशम एवं दशमोत्तर तथा सामान्य वर्ग की छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत 1430 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

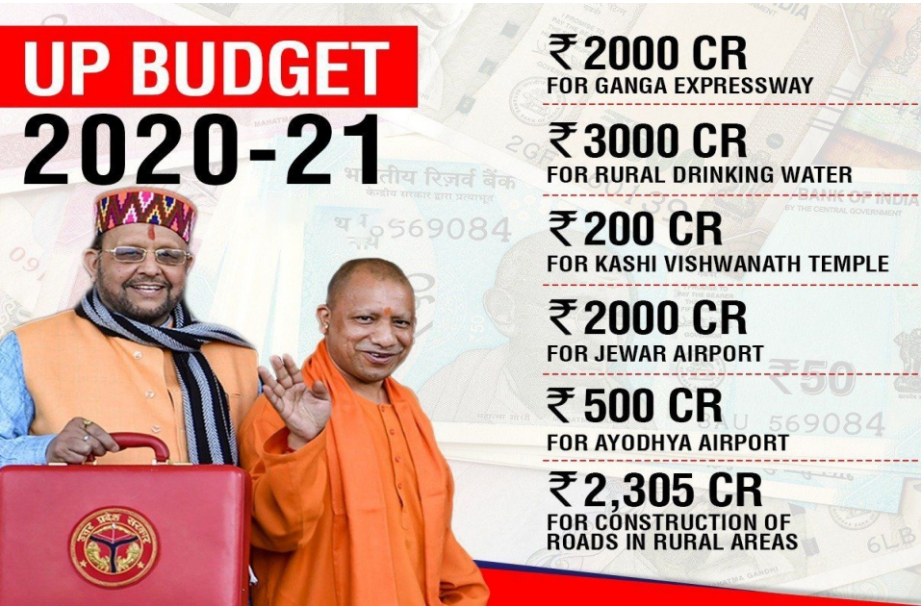

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार के बजट से पहले कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बजट 2021-22 को मंजूरी दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही वित्त मंत्री सुरेश खन्ना तथा अन्य मंत्री विधान भवन रवाना हो गए। सदन में बजट पेश करने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर कैबिनेट की बैठक बुलाई। विधानमंडल का बजट सत्र दस मार्च तक चलेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार का बजट पेश करने से पहले सीएम योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर कैबिनेट बैठक में जाने से पहले वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अपने घर में पूजा की। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पाठ किया। वित्त मंत्री ने बजट बैग लेकर पूजा की।इस दौरान उनके हाथ में बजट बैग के साथ आइपैड भी था। उन्होंने कहा कि इस बार भी बजट में सबका साथ सबका विकास पर फोकस है। योगी आदित्यनाथ सरकार हर वर्ग के हित का ख्याल रखती है। खन्ना ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि बजट का लाभ उत्तर प्रदेश के सभी 33 करोड़ लोगों को मिले।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कोविड-19 महामारी का दबाव झेल रही अर्थव्यवस्था और लंबे किसान आंदोलन की गूंज के बीच बजट तैयार किया है। इस बार बजट देखने के लिए सभी विधायक व विधान परिषद सदस्यों को आईपैड प्रदान किया गया है। इसके साथ ही विधान भवन में बड़ी स्क्रीन लगाई गई है, जिसपर सदस्य बजट की झलकियां देख सकेंगे। प्रदेश सरकार का बजट सत्र 18 फरवरी को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ था, जिसमें दोनों सदन के सदस्य मौजूद थे।

क्या है टूलकिट और दिशा रवि की गिरफ्तारी की कहानी?

प्रियांशी श्रीवास्तव

बीते हफ्ते पर्यावरण कार्यकर्ता दिशा रवि को दिल्ली पुलिस ने बेंगलुरु से गिरफ़्तार कर लिया। दिल्ली की एक अदालत ने 23 फरवरी को टूल किट मामले में गिरफ़्तार की गईं 22 वर्षीय पर्यावरण कार्यकर्ता दिशा रवि को ज़मानत दे दी है। बीबीसी के सहयोगी पत्रकार सुचित्र मोहंती के अनुसार, दिशा रवि को दिल्ली की तिहाड़ जेल से मंगलवार देर रात रिहा कर दिया गया है। 22 वर्षीय दिशा पर आरोप है कि उन्होंने किसानों के आंदोलन को जन-समर्थन दिलाने के लिए स्वीडन की पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग द्वारा शेयर की गयी टूलकिट के निर्माण में भूमिका निभायी थी। ऐसा उन्होंने भारत के खिलाफ साजिशन किया।

क्या है टूलकिट?

"टूलकिट" किसी भी मुद्दे को समझाने के लिए बनाया गया एक गूगल डॉक्यूमेंट होता है। यह इस बात की जानकारी देता है कि किसी समस्या के समाधान के लिए क्या-क्या किया जाना चाहिए? यानी इसमें एक्शन प्वाइंट्स दर्ज होते हैं। इसे ही टूलकिट कहते हैं। इसका इस्तेमाल सोशल मीडिया के संदर्भ में होता है, जिसमें सोशल मीडिया पर कैम्पेन स्ट्रेटजी के अलावा वास्तविक रूप में सामूहिक प्रदर्शन या आंदोलन करने से जुड़ी जानकारी दी जाती है। इसमें किसी भी मुद्दे पर दर्ज याचिकाओं, विरोध-प्रदर्शन और जनांदोलनों के बारे में जानकारी शामिल हो सकती है।

बता दें, स्वीडन की 18 साल की पर्यावरण एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग ने भारत में चल रहे किसान आंदोलन को लेकर समर्थन दिखाते हुए सबसे पहले तीन फरवरी को एक ट्वीट किया था, जिसमें ग्रेटा ने किसान आंदोलन से जुड़ा एक टूलकिट शेयर किया था। हालांकि, बाद में उसे डिलीट कर दिया गया। उसमें ग्रेटा ने लिखा था, "अगर आप किसानों की मदद करना चाहते हैं तो आप इस टूलकिट (दस्तावेज़) की मदद ले सकते हैं।" इसके बाद फिर चार फरवरी को ग्रेटा ने दोबारा टूलकिट शेयर किया और लिखा, "ये नई टूलकिट है जिसे उन लोगों ने बनाया है जो इस समय भारत में ज़मीन पर काम कर रहे हैं। इसके ज़रिए आप चाहें तो उनकी मदद कर सकते हैं।" दिल्ली पुलिस के मुताबिक 'टूल किट' में ट्विटर के जरिये किसी अभियान को ट्रेंड कराने से संबंधित दिशा-निर्देश और सामग्री होती है। दिल्ली पुलिस ने इस टूलकिट को विद्रोह पैदा करने वाला दस्तावेज बताते हुए

इसके लेखकों के खिलाफ आईपीसी की धारा-124ए, 153ए, 153, 120बी के तहत केस दर्ज कर लिया। हालांकि, इसमें किसी का नाम शामिल नहीं किया गया लेकिन अफवाह उड़ी कि ग्रेटा थनबर्ग के खिलाफ केस दर्ज हुआ है, जिसका दिल्ली पुलिस ने खंडन किया। आरोप है कि इसी टूलकिट को बेंगलुरु की दिशा रवि ने एडिट किया है।

कौन है दिशा रवि?

22 साल की दिशा रवि बेंगलुरु की रहने वाली एक जलवायु कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बेंगलुरु के एक प्राइवेट कॉलेज माउंट कार्मेल कॉलेज से बीबीए की डिग्री ली है और पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था 'फ्राइडेज फॉर फ्यूचर' के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। दिशा गुड वेगन मिल्क नाम की एक संस्था में भी काम करती हैं। इस संस्था का उद्देश्य प्लांट बेस्ड फूड (वेजिटेरियन) को सस्ता और सुलभ बनाना है। ये संस्था खेतीबारी में पशुओं के इस्तेमाल को खत्म कर उन्हें भी जीने का अधिकार देने पर भी काम करती है।

दिल्ली पुलिस के रडार पर और कौन-कौन?

दिल्ली पुलिस ने ट्वीट कर कहा है कि दिशा रवि उस टूलकिट की एडिटर हैं और उस दस्तावेज़ को तैयार करने से लेकर उसे सोशल मीडिया पर साझा करने वाली मुख्य साज़िशकर्ता हैं। आरोप है कि दिशा ने एक व्हाटसएप ग्रुप भी बनाया हुआ था जिसमें निकिता जैकब भी जुड़ी थीं। निकिता भी पर्यावरण से जुड़े मुद्दे उठाती रही हैं। वह एक वकील भी हैं। दिल्ली पुलिस उन्हें भी तलाश रही है। दिशा से जुड़ा एक और नाम है शांतनु, जो दिल्ली पुलिस के रडार पर है।

लालकिला हिंसा से संबंध!

दिल्ली पुलिस के अनुसार अगर आप 26 जनवरी और उसके आस पास के इवेंट को देखें तो आपको पता चलेगा कि जो टूलकिट में कहा गया था उसी तरह से सारी घटनाएं हुई। जो टूल किट के ऑथर हैं उनके खिलाफ 124ए 153 ए और 153बी आईपीसी के तहत किया गया है और दिल्ली पुलिस का साइबर सेल इसकी जांच करेगा। अभी एफआईआर में किसी का नाम नहीं है।

शबनम से पहले आजाद भारत में एक और महिला को हुई थी फांसी, 3 लड़कियों का किया था कत्ल!

विकास श्रीवास्तव

माता-पिता समेत अपने परिवार के 7 लोगों की कातिल अमरोहा के बावनखेड़ी गांव की शबनम को अगर फांसी पर चढ़ाया जाता है, तो वह आजादी के बाद फांसी पर चढ़ाई जाने वाली पहली नहीं, बल्कि दूसरी महिला अपराधी होगी। इससे पहले रतनबाई जैन नामक की महिला अपराधी को 1955 में फांसी दी गई थी। ये तथ्य काफी चौंकाने वाला है कि बीते 66 सालों में किसी भी महिला अपराधी को फांसी नहीं दी गई है।

आपको बता दें कि 13 साल पहले 15 अप्रैल 2008 में अमरोहा के बावनखेड़ी गांव की शबनम ने प्यार में अंधी होकर प्रेमी सलीम के साथ मिलकर अपने मां-बाप, भाई-भाभी और बच्चे समेत 7 लोगों को बेरहमी से कुल्हाड़ी से काटते हुए मौत के घाट उतार दिया था। इस मामले में इंसाफ की हर चौखट से उसके लिए सिर्फ और सिर्फ मौत की सजा मुकर्रर की गई। अब राष्ट्रपति भी उसकी दया याचिका खारिज कर चुके हैं। मौत तय होने के बाद मथुरा जेल में इस हत्यारिन को फांसी पर चढ़ाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। निर्भया के दुष्कर्मियों को फांसी पर लटकाने वाला पवन जल्लाद भी तैयार है, बस शबनम के लिए डेथ वारंट का सबको इंतजार है।

1955 में रतनबाई को दी गई थी फांसी –

जब शबनम को फांसी तय होने की खबर आई, तो यह खबरें भी सामने आए कि वह आजादी के बाद फांसी पर लटकाई जाने वाली पहली महिला होगी लेकिन यह सच नही है। आपको बता दें कि अगर शबनम को सचमुच फांसी हुई, तो यह आजाद भारत में किसी दूसरी महिला को फांसी होगी। आजाद भारत में अब तक केवल एक महिला फांसी के फंदे पर झूली है, उस महिला अपराधी का नाम था रतन बाई जैन। रतनबाई को यह सजा तीन लड़कियों की हत्या के आरोप में दी गई थी। कई पुराने अखबारों और वेबसाइट्स की रिपोर्ट में शबनम से पहले रतनबाई जैन को फांसी पर चढ़ाए जाने का उल्लेख है।

द स्ट्रेट टाइम्स नामक अखबार में छपी खबर के मुताबिक पति के साथ अवैध संबंधों के शक में रतनबाई ने तीनों लड़कियों की जान ले ली थी। जनवरी 1955 में उसे फांसी की सजा दी गई थी। इसी तरह एशियन सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स नामक वेबसाइट की 'इंडियाः डेथ पेनल्टी रिपोर्ट्स' नाम के लेख में भी शबनम से पहले रतनबाई जैन को फांसी पर चढ़ा देने का जिक्र आता है। इसके बाद किसी महिला को फांसी पर नहीं टांगा गया। 66 साल बाद इसकी अगली कड़ी शबनम हो सकती है। एक जानकारी यह भी है कि मथुरा जेल में महिलाओं को फांसी देने के लिए एक विशेष फांसी घर है, जिसे 1870 में अंग्रेजों ने बनवाया था।

इन दो अपराधियों को भी मौत की सजा लेकिन अभी तक नही हुई फांसी –

गौरतलब है कि शबनम के पहले महाराष्ट्र की दो शातिर अपराधी सीमा मोहन गावित और रेणुका किरण शिंदे को भी अदालत की सारी चौखटों से मौत की सजा मिल चुकी हैं। ये दोनों बहनें अपनी मां के साथ मिलकर बच्चा चुराया करती थीं। दोनों बहनों ने 1990 से 96 के बीच पुणे, ठाणे, नासिक, कोल्हापुर जैसे शहरों से दर्जनों बच्चे चुराए। इतिहास में झांकें तो पता चलता है कि दोनों ने 5 बच्चों को मौत के घाट भी उतार दिया था। इसके बाद पकड़ी गई इन दोनों बहनों को फांसी से बचाने वाली दया याचिका भी खारिज हो चुकी है, लेकिन अभी तक इन्हें फांसी पर नहीं लटकाया गया है। किन्हीं कारणों से इनकी फांसी टलती रही है। हो सकता है कि शबनम को फांसी के बाद उन करीब दर्जन भर महिला अपराधियों को भी फांसी देने का सिलसिला शुरू हो जाए, जो कतार में हैं।

अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के गांव बावनखेड़ी के शिक्षक शौकत अली की इकलौती बेटी शबनम के सलीम के साथ प्रेम संबंध थे। सूफी परिवार की शबनम ने अंग्रेजी और भूगोल में एमए किया था। उसके परिवार के पास काफी जमीन थी। वहीं सलीम पांचवीं फेल था और पेशे से एक मजदूर था। इसलिए दोनों के संबंधों को लेकर परिजन विरोध कर रहे थे। शबनम ने 14 अप्रैल, 2008 की रात अपने प्रेमी के साथ मिलकर ऐसा खूनी खेल खेला कि सुनकर पूरा देश हिल गया था। शबनम ने अपने माता-पिता और 10 माह के भतीजे समेत परिवार के सात लोगों को पहले बेहोश करने की दवा खिलाई। बाद कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला था।

शबनम ने हत्या करने के बाद तेजी से रोना-चीखना शुरू कर दिया। जब आसपास के लोग पहुंचे, तो हालात देखकर दंग रह गए। खून से लथपथ सात लाशें पड़ीं थीं। घर में अकेली 25 साल की लड़की शबनम जीवित बची थी। आधी रात को हुए इस सनसनी खेज हत्याकांड से पुलिस प्रशासन में हड़कंप में मच गया। शबनम ने पुलिस को बताया कि उसके घर में लुटेरे घुसे और पूरे परिवार की हत्या कर दी। वह बाथरूम थी, इसलिए बच गई।

पुलिस ने लूट के एंगल से जांच की, लेकिन कोई सबूत हाथ नहीं लगा। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर ध्यान दिया, तो कई सवाल सामने आए। मरने वालों ने खुद को बचाने की कोशिश नहीं की? लूटपाट के कोई सबूत नहीं मिले? इस बीच पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, मृतकों को मारने से पहले कोई दवा खिलाकर बेहोश किया गया था।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस के शक की सुई शबनम पर घूम गई। शबनम की कॉल डिटेल निकाली गई, जिससे पता चला कि हत्या की रात शबनम की एक ही नंबर पर कई बार बात हुई। बाद में पुलिस को शबनम के गर्भवती होने का पता चला। शबनम शादी-शुदा नहीं थी, इसलिए इस हत्याकांड में पुलिस को यह जानकारी बेहद अहम लगी। इसके बाद पुलिस ने शबनम से कड़ी पूछताछ शुरू की। आखिरकार शबनम टूट गई और उसने अपने गुनाह कबूल किया।

इसके बाद, पुलिस ने सलीम को भी दबोच लिया और बाद में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। सलीम की निशानदेही पर कत्ल में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी भी पुलिस ने बरामद कर ली।

मोहब्बत करना गुनाह नहीं पर मोहब्बत के लिए जो गुनाह शबनम-सलीम कर बैठे वो दिल दहलाने वाला है। प्यार तो रुई सा कोमल होता है उसके लिए या उसके नाम पर ऐसा सख्त कदम कैसे उठाया जा सकता है, यही प्रश्न इस तरह की घटनाओं के बाद परेशान करता है।

फांसी की तैयारियों के बीच ये सवाल भी हमेशा गूंजता रहेगा कि ओस की बूंद सी नाजुक शबनम कैसे पत्थरदिल होकर अपने ही परिवार को यों खत्म कर बैठी?

'बिग बॉस 14' की विजेता बनी रुबीना दिलैक, तोड़ा शहनाज और आसिम रियाज का रेकॉर्ड!

रुबीना दिलैक न सिर्फ 'बिग बॉस 14' की विनर बन चुकी हैं, बल्कि इसके साथ ही उन्होंने बिग बॉस के इतिहास में एक नया रेकॉर्ड भी बनाया है, जिसके बारे में जान आप भी चौंक जाएंगे। इस रेकॉर्ड को बनाकर रुबीना दिलैक ने शहनाज गिल से लेकर आसिम रियाज और सिद्धार्थ शुक्ला तक को भी पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल पिछले सीजन यानी 'बिग बॉस 13' में सिर्फ शहनाज गिल, आसिम रियाज और आरती सिंह ही थीं, जिन्होंने घर के अंदर 140 दिन बिताए थे, लेकिन रुबीना ने इनका भी रेकॉर्ड तोड़ दिया है।

जानकारी के मुताबिक, 'बिग बॉस 13' में आसिम रियाज, शहनाज गिल और आरती सिंह 140 दिन तक घर के अंदर रही थीं, जबकि सिद्धार्थ शुक्ला से लेकर पारस छाबड़ा और देवोलीना भट्टाचार्जी किसी ने किसी वजह से घर के बाहर गईं। सिद्धार्थ बीमार होने के कारण बिग बॉस के घर से बाहर गए और फिर कुछ दिन सीक्रेट रूम में भी रहे। इसी तरह पारस छाबड़ा भी इंजरी के कारण बिग बॉस से बाहर हुए और दोबारा जब एंट्री हुई तो वह सीक्रेट रूम में रहे। वहीं देवोलीना भट्टाचार्जी भी बैक इंजरी के कारण शो से बाहर गईं और फिर वापसी नहीं की।

बिग बॉस के इतिहास में सबसे ज्यादा दिन तक शो में रहने वाली कंटेस्टेंट!

वहीं अन्य कंटेस्टेंट्स 140 दिन का आंकड़ा भी पूरा नहीं कर पाए और बारी-बारी से बेघर हो गए थे, लेकिन 'बिग बॉस 14' में रुबीना दिलैक ने पिछले सीजन के कंटेस्टेंट्स को मात देते हुए एक नया रेकॉर्ड कायम कर दिया है। 'द खबरी' के मुताबिक, वह पूरे 143 दिनों तक घर के अंदर रही हैं। इस हिसाब से वह 'बिग बॉस' के इतिहास में पहली ऐसी कंटेस्टेंट हैं, जिन्होंने घर के अंदर सबसे ज्यादा दिन यानी 143 दिन बिताए हैं।

इस कारण मिला फायदा -

अगर 13वें और 14वें सीजन को छोड़ दिया जाए तो बिग बॉस के अब तक के सीजन एक्सटेंड नहीं किए गए थे। इस बार का सीजन पिछले सीजन से थोड़ा लंबा रहा और इसलिए रुबीना यह रेकॉर्ड बनाने में कामयाब रही हैं।वहीं बाकी बचे कंटेस्टेंट्स में से कुछ बेघर हुए तो कुछ शो में आते-जाते रहे, जिस कारण वो ज्यादा दिन घर के अंदर नहीं बिता पाए।

छोटी-सी बात पर रुबीना दिलैक से तलाक लेना चाहते थे अभिनव शुक्ला, खुद बताई है वजह!

बिग बॉस 14 के कंटेस्टेंट्स रहे अभिनव शुक्ला और विनर रुबीना दिलाइक की लव स्टोरी बहुत प्रेरणादायक है। दोनों की मुलाकात एक दोस्त के घर गणपति सेलिब्रेशन के दौरान हुई थी। अभिनव ने रुबीना को वहां साड़ी में देखा और उनसे प्यार कर बैठे। हालांकि रुबीना ने पहले उन्हें प्रपोज किया या। साल 2015 में रुबीना और अभिनव ने एक-दूसरे को डेट किया और साल 2018 में दोनों ने शादी की।

बिग बॉस 14 के एक एपिसोड में रुबीना ने खुलासा किया कि दोनों के बीच बहुत लड़ाई होती है और काफी मतभेद है जिसके बाद दोनों ने तलाक लेने का फैसला किया था, लेकिन तलाक लेने से पहले दोनों ने एक-दूसरे को 6 महीने का वक्त दिया था। अभिनव शुक्ला ने आरजे सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया है कि आखिर किस वजह से दोनों की बीच तालाक तक बात पहुंची।

इस वजह से तलाक तक पहुंची बात!

अभिनव शुक्ला ने कहा,"मैं ईमानदारी से कहूं, तो आप हंसने लगेंगे। मैं उनके (रुबीना) लिए कॉफ़ी ले जाना भूल गया था। मैं मजाक नहीं कर रहा हूं।" अभिनव ने आगे कहा कि लॉकडाउन का वक्त बहुत ही मुश्किल रहा और इसने हमारे रिलेशनशिप में दरार को और बढ़ा दिया। अभिनव ने कहा,"देखो, कुछ ऐसी चीजें थीं। हम दोनों ही बहुत स्ट्रॉन्ग शख्स हैं। हमारे अपने स्ट्रॉन्ग ओपिनियन हैं।"

छह महीने का वक्त!

अभिनव ने कहा, "और दोनों की सोच आपने तो देख ही लिया होगा बिग बॉस में, अलग-अलग है। तो जब वो सोच क्लैश होती है, तो चिंगारी भड़कती थी। लॉकडाउन हर किसी के लिए बहुत बुरा दौर रहा है और हमारे लिए भी ये मुश्किल भरा रहा। हमने एक-दूसरे को छह महीने दिए थे।"

रुबीना और अभिनव की दोबारा शादी!

हालांकि अब दोनों के बीच सबकुछ ठीक हो गया है। दोनों का कहना है कि बिग बॉस ने उन्हें अहसास कराया है कि दोनों के लिए एक-दूसरे के लिए बहुत जरूरी है। दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं। टकराव हर किसी के बीच होता है और प्यार भी। अभिनव ने वैलेंटाइन डे स्पेशल एपिसोड में रुबीना के साथ डिनर डेट किया था और उनसे दोबारा शादी का करने का प्रस्ताव रखा था। जिसे रुबीना ने स्वीकार किया।

ओटीटी-सोशल मीडिया के लिए जारी की गईं नई गाइडलाइन्स!

केंद्र सरकार ने नेटफ्लिक्स-अमेजन प्राइम और एमएक्स प्लेयर जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया की निगरानी करने वाले नियमों को कड़ा कर दिया है। स्ट्रीमिंग कंपनियों को अब लगातार आ रहे आपत्तिजनक कंटेंट को शिकायत के बाद हटाना होगा। वहीं, फेसबुक-व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसी कंपनियों को कंटेंट की निगरानी के लिए शिकायत निपटान अधिकारी की नियुक्त करनी होगी और सरकार को जांच में सहयोग देना होगा।

बड़ी बात यह है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए सरकार ने कोई नया कानून नहीं बनाया, बल्कि 'इंफर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000' के तहत अब नियम बनाए हैं। इस एक्ट में तीन तरह के प्लेटफॉर्म्स की बात कही गई है। ये प्लेटफॉर्म्स हैं -

1. सोशल मीडिया - नग्नता, अश्लील हरकत और तस्वीरों से छेड़छाड़ जैसी सामग्री को शिकायत मिलने के 36 घंटे के भीतर हटाना होगा। साथ ही महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट की शिकायत पर 24 घंटे के भीतर पोस्ट को संबंधित प्लेटफॉर्म से हटाना होगा। इसमें महिला की तरफ से की गई शिकायत जरूरी नहीं होगी।

शिकायतों से निपटने के लिए एक शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त करना होगा और इस अधिकारी को 24 घंटे के अंदर शिकायत स्वीकार करनी होगी और 15 दिनों के अंदर उसका निवारण करना होगा।

इस नए नियम से अब फेसबुक-व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का गलत इस्तेमाल करना बंद हो जाएगा। मतलब सीधा सा है कि अब फेक न्यूज, अफवाहें और आपत्तिजनक कंटेंट यूजर्स तक नहीं पहुंचेगा।

खत्म होगा व्हाट्सएप का एंड टू एंड इंक्रिप्शन

गाइडलाइन्स जारी करते हुए सरकार ने कहा है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल हिंसा और अफवाहें फैलाने के तौर पर भी किया जाता है। लेकिन अब फेसबुक-व्हाट्सएप, सिगन्ल, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसी सोशल मीडिया कंपनियों को बताना होगा कि सबसे पहले कंटेंट किसने शेयर किया यानी वायरल पोस्ट का ओरिजनेटर कौन है। एंड टू एंड इंक्रिप्शन की वजह से अबतक व्हाट्सएप जैसी कंपनियां ओरिजनेटर की जानकारी साझा नहीं करती थीं, लेकिन अब सरकार के मांगने के बाद ओरिजनेटर की जानकारी देना अनिवार्य होगा।

महिला यूजर्स को मिलेगी बड़ी राहत -

दरअसल सोशल मीडिया पर महिलाओं के उत्पीड़न से जुड़ीं तमाम शिकायतें आती हैं। कहीं गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद बॉयफ्रेंड ने आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल कर दीं तो कहीं कोई महिला को ब्लैकमेल कर रहा होता है। ऐसे में अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को इन सभी बातों को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करनी ही होगी।

2. डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म

डिजिटल युग में आज सभी न्यूज़ कंपनियों के सोशल मीडिया पर भी अकाउंट्स हैं। जहां वह अपनी खबरें यू-ट्यूब फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर के जरिए यूजर्स तक पहुंचाते हैं। इन सभी को डिजिटल न्यूज मीडिया कहा जाता है। अब नए नियमों में डिजिटल न्यूज मीडिया के पब्लिशर्स को प्रेस काउंसिल ऑफ के नॉर्म्स ऑफ जर्नलिस्टिक कंडक्ट और केबल टेलीविजन नेटवर्क्स रेगुलेशन एक्ट के तहत प्रोग्राम कोड का पालन करना होगा। मतलब अब प्रिंट-टीवी और डिजिटल मीडिया के लिए एक ही तरह के नियम होंगे।

3. ओटीटी प्लेटफॉर्म

नेटफ्लिक्स- अमेजन प्राइम, एल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर जैसे तमाम प्लेटफॉर्म्स पर फिल्में, वेबसीरीज और अन्य कंटेट सीधे ऑनलाइन रिलीज होते हैं। इस प्लेटफॉर्म को ओवर-द-टॉप यानि ओटीटी प्लेटफॉर्म कहा जाता है। सराकर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की मनमानी रोकने के लिए भी अब नियम सख्त किए हैं।

देश में ओटीटी प्लेटफॉर्म का कंटेंट हमेशा से ही विवादों में रहा है। नेटफ्लिक्स-अमेजन प्राइम जैसी बड़ी कंपनियों पर कभी अश्लीलता तो कभी हिंसात्मक दृश्य दिखाने और कभी धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगता रहा है। नए नियमों में सरकार ने कोड ऑफ एथिक्स की बात कही है। यानि अब ओटीटी प्लेटफॉर्म मनमाने ढंग से कुछ भी नहीं दिखा पाएंगे और इनपर भी सेंसरशिप लागू होगी। यानि अब दर्शक को कुछ भी आपत्तिजनक कंटेंट नहीं परोसा जाएगा।

आपको बता दें कि भारत डिजिटल और सोशल मीडिया कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है। भारत में 53 करोड़ व्हाट्सऐप यूजर्स, 44.8 करोड़ यू-ट्यूब यूजर्स, 41 करोड़ फेसबुक यूजर्स, 21 करोड़ इंस्टाग्राम यूजर्स और 1.75 करोड़ ट्विटर यूजर्स हैं।

साक्षात्कार

क्रिस मॉरिस बने आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी, जानिये कौन कितने में बिका?

क्रिस मॉरिस बने आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी, जानिये कौन कितने में बिका?

इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के 14वें सत्र के लिए 18 फरवरी को चेन्नई में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में जमकर धनवर्षा हुई। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर क्रिस मौरिस आइपीएल इतिहास में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बने। उन्हें 16.25 करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा, जबकि अनकैप्ड खिलाड़ियों में स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के गौतम सबसे महंगे बिके, जिन्हें चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने रिकॉर्ड 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल 14.25 करोड़ रुपये की राशि हासिल करने में सफल रहे, जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने खरीदा। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर को उनके आधार मूल्य 20 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस ने खरीदा। टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा को भी सीएसके ने उनके आधार मूल्य 50 लाख रुपये में खरीदा। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल के नए सीजन के लिए चेन्नई में ऑक्शन आयोजित हुआ। इस ऑक्शन के पहले सत्र में बहुत कुछ खास देखने को मिला। इस बार नीलामी के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ ने 292 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट किया था, लेकिन ऑक्शन से पहले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने अपना नाम वापस ले लिया था।

- पहले सत्र में जहां साउथ अफ्रीकाई ऑलराउंडर क्रिस मॉरिस ने इतिहास रचा तो वहीं के गौतम आइपीएल में भारत के लिए सबसे महंगे अनकैप्ड प्लेयर बनकर उभरे।

- भारतीय टेस्ट टीम की नई दीवार कहे जाने वाले चेतेश्वर पुजारा को भी मौका मिला। पुजारा को एमएस धौनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके ने 50 लाख रुपये की बेस प्राइस में खरीदा। वहीं, मॉरिस को 16 करोड़ 25 लाख रुपये में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा।

- क्रिस मौरिस (16.25 करोड़ में बिके) : ऑलराउंडर क्रिस मॉरिस को लेकर मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स की टीम ने बोली को लगातार आगे बढ़ाया। 2 करोड़ की बेस प्राइस वाले क्रिस को आखिर में राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 16.25 करोड़ की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया। आइपीएल इतिहास में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले 16 युवराज सिंह की 16 करोड़ की बोली लगी थी।

- शिवम दुबे (4.40 करोड़ में बिके) : 50 लाख की बेस प्राइस के साथ नीलामी में उतरे भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे को राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 4.40 करोड़ की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया।

- मोइन अली (7 करोड़ में बिके) : इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोइन अली को चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम ने 7 करोड़ की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया। पंजाब की टीम ने भी उनके खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन आखिर में बाजी चेन्नई ने मारी।

IPL इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी			
खिलाड़ी	रुपये	टीम	वर्ष
क्रिस मौरिस	16.25	RR	2021
युवराज सिंह	16.00	DD	2015
पैट कमिंस	15.50	KKR	2020
काइली जेमिसन	15.00	RCB	2021
बेन स्टोक्स	14.50	RPS	2017
ग्लेन मैक्सवेल	14.25	RCB	2021
युवराज सिंह	14.00	RCB	2014
जे. रिचर्डसन	14.00	PK	2021

– ग्लेन मैक्सवेल (12 करोड़ बेस प्राइस) : 2 करोड़ की बेस प्राइस के साथ नीलामी में उतरे ऑस्ट्रेलिया के इस धुरंधर ऑलराउंडर को लेकर कोलकाता की टीम ने बोली शुरू किया इसके बाद राजस्थान की टीम आगे बढ़ी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने भी मैक्सवेल में रूचि दिखाई और बोली को 4.40 करोड़ तक पहुंचाया।

– चेन्नई की टीम ने इसके बाद अपनी बोली शुरू की और फिर आरसीबी के बीच लगातार बोली बढ़ती गई और आखिर में बैंगलोर की टीम ने 14.25 करोड़ में बोली जीतकर मैक्सवेल को अपनी टीम में शामिल किया।

– राजस्थान रॉयल्स से रिलीज किए गए स्टीव स्मिथ के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने बोली शुरू की इसके बाद पंजाब और फिर दिल्ली की टीम ने अपनी बोली को बढ़ाई।

– आखिरी में दिल्ली कैपिटल्स ने 2.20 करोड़ में स्मिथ को अपनी टीम में शामिल किया।

– नीलामी में सबसे पहले 50 लाख की बेस प्राइस वाले भारतीय बल्लेबाज करुण नायर से हुए। टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले इस खिलाड़ी के लिए किसी टीम ने बोली नहीं लगाई।

– इसके बाद इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स हेल्स को भी किसी टीम ने खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। जेसन रॉय भी पहली बार में अनसोल्ड रहे।

कई खिलाड़ी 2 करोड़ रुपये की बेस प्राइस में बिकें –

इसमें दो करोड़ रुपये का उच्चतम मूल्य है और दो भारतीय खिलाड़ी – हरभजन सिंह और केदार जाधव – और आठ विदेशी खिलाड़ी – ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ, शाकिब अल हसन, मोइन अली, सैम बिलिंग्स, लियाम प्लॉकेट, जेसन रॉय और मार्क वुड हैं। 12 खिलाड़ी 1.5 करोड़ रुपये के बेस प्राइस के साथ नीलामी सूची में हैं। हनुमा विहारी और उमेश यादव 11 भारतीय क्रिकेटरों की सूची में दो भारतीय खिलाड़ी हैं जिनका आधार मूल्य 1 करोड़ रुपये है। IPL 2021 की नीलामी में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो 2 करोड़ रुपये की बेस प्राइस में हैं। ऐसे में उन खिलाड़ियों पर सभी की नजरें होंगी। 2 करोड़ की बेस प्राइस वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दो भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिनमें एक हरभजन सिंह हैं और दूसरे केदार जाधव। इन दोनों खिलाड़ियों को चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके ने रिलीज किया है। इसके अलावा दो करोड़ की बेस प्राइस वाली सूची में स्टीव स्मिथ जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का नाम भी शामिल हैं।

ठगी का नया जरिया बन चुकी है, डेटिंग एप की दुनिया।

निमांषी पांडेय

आज के दौर में डेटिंग एप्स युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय हो गए है। इन डेटिंग्स एप्स और साइट के जरिए लोगों को अपना जीवनसाथी मिल रहा है तो कई लोगों के साथ ठगी भी रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ऑनलाइन डेटिंग के नाम पर बहुत बड़ा फर्जीवाड़ा हो रहा है। डेटिंग एप्लिकेशन उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो ऑनलाइन 'फ्रेंड' बनाते हैं। लेकिन ये तथाकथित 'फ्रेंड' आपको चपत भी लगा सकता है। देश में ऑनलाइन डेटिंग के जरिए ठगी के कई मामले सामने आ चुके हैं। आजकल बाजार में ढेरों डेटिंग एप्स मौजूद है, कुछ स्टैंडर्ड एप जैसे कि टिंडर और बंबल काफी लोकप्रिय है किंतु कुछ ऐसे भी हैं जो सिर्फ लोगों को ठगने के लिए ही बनाए गये हैं।

कैसे होती है ठगी?

इन डेटिंग एप्स पर नए फ्रेंड्स बनाने का झांसा देकर ज्यादातर पुरुषों को बुलाने की कोशिश की जाती है। यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम हर जगह फेक डेटिंग एप्स का कारोबार फैला हुआ है। फेक डेटिंग एप्स के ऐड में ज्यादातर मनमोहक बातें कहकर और खूबसूरत लड़कियों की तस्वीरों को दिखा कर पहले तो व्यक्ति को इंस्टॉल करने पर मजबूर किया जाता है। एक बार जब एप इंस्टॉल हो जाए तब उस व्यक्ति को कई सारी लड़कियां मैसेजेस करती हैं, असली खेल यहीं पर शुरू होता है, जब आपसे उस मैसेज का रिप्लाई करने के लिए पैसे मांगा जाता है, एक बार आपने पैसे भर दिए तो फिर आप उनके मैसेज का रिप्लाई कर सकते हैं। जानकर आपको हैरानी होगी कि ज्यादातर चैटिंग कंप्यूटर जनरेटेड बोट्स द्वारा की जाती है, यानी की चीजें पहले से ही प्रोग्रामड होती हैं, ठीक गूगल असिस्टेंट की तरह। जब एक बार बात आगे बढ़ने लग जाती है तब उन लड़कियों के प्रोफाइल से व्यक्ति को वीडियो कॉल और ऑडियो कॉल आने लग जाते हैं और उसी प्रकार यह वीडियो एवं ऑडियो कॉल के जवाब देने के लिए फिर से आपसे पैसों की मांग की जाती है। कुल मिलाकर जितना ज्यादा वह व्यक्ति एप पर पैसा लगाएगा, उतना ज़्यादा ऐसे एप्स पैसे कमाते हैं।

फिर दूसरे एप ऐसे होते हैं, जो सिर्फ डिवोर्सी लोगों के लिए होते हैं, ऐसे लोग जो खुद को अकेले पाते हैं और समाज भी उनसे दूरी बना लेती है। ऐसा ही एक मामला पुणे से सामने आया जहाँ एक महिला ऐसे ही एक एप के झांसे में आकर 40 लाख गवा बैठी। वह एक व्यक्ति से मिली जो स्वयं को पेशे से डॉक्टर बता रहा था और अमेरिका में काम करता था। उसने महिला से कहा कि वह जल्द ही भारत उससे मिलने आ रहा है, फिर कुछ दिनों बाद महिला को फोन आता है कि वह व्यक्ति को कस्टम डिपार्टमेंट ने एयरपोर्ट पर पकड़ कर रखा है और यदि वह उसे बचाना चाहती है तो उन्हें पैसे देने होंगे, महिला ने अपने ऑनलाइन दोस्त को बचाने के लिए पैसे तो दे दिए लेकिन उन्हें यह बात बाद में समझ में आई कि वह कॉल ही फेक था और उन्हें लूट लिया गया है।

अन्य प्रकार के एप्स ऐसे होते हैं जो सिर्फ ट्रांसजेंडर और एलजीबीटी लोगों को टारगेट करते हैं, यह लोग भी समाज में खुद को अकेले पाते हैं और यदि इनके साथ धोखाधड़ी होता है, तो उन्हें यह कहकर धमकी दी जाती है कि वह उनके बारे में सभी को बता देंगे, इसी डर से कितने सारे लोग तो कंप्लेन ही नहीं कर पाते।

डेटिंग एप का बिजनेस ही ऐसा होता है। आपको पहले झांसे में फंसाया जाता है, उसके बाद यदि आप खुद बेवकूफ बन कर पैसे दे देते हैं तो अच्छी बात है अथवा आपकी फोटो या वीडियो से ही आप को ब्लैकमेल करके पैसे निकाले जाते हैं। आज के समय में जरूरी है कि हम ऑनलाइन किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले किसी भी एप को इस्तेमाल करने से पहले उसकी पुष्टि करें और उसकी जांच अवश्य करें।

क्यों लोकप्रिय हो रहे हैं डेटिंग एप?

डेटिंग एप के लोकप्रिय होने का मुख्य कारण है अकेलापन, जो आजकल के ज्यादातर युवा महसूस कर रहे हैं। बेरोजगार होना, भी इसका एक कारण है। सभी को एक पार्टनर की जरूरत होती है, कोई ऐसा जिसके साथ वह अपनी बातें बता सकें, शेयर कर सकें। डेटिंग एप इन सब चीजों का फायदा उठाते हैं। भारत में अभी भी खुलेआम एक दूसरे को डेट करना किसी गुनाह से कम नहीं समझा जाता, ऐसे में डेटिंग एप दूसरों से मिलने का एक जरिया बन जाता है। देश के लोगों से मिलने का और नए दोस्त बनाने का, जहां आपको कोई टोकने वाला भी नहीं होता, आपका लिंग, उम्र यह सब चीजें भी मायने नहीं रखती। इसलिए टिंडर और बंबल जैसे एप खूब लोकप्रियता बना रहे हैं। इसलिए आज के समय में जरूरी है कि यदि आप अकेलापन महसूस कर रहे हो तो उसे खुद पर हावी ना होने दें।

कैसे बचें इस धोखाधड़ी से?

अगर आप भी डेटिंग साइट्स और ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं तो सतर्क हो जाइए। कभी भी खुद की, अपने परिवार और दोस्तों की पर्सनल इंफॉर्मेशन, बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड के डीटेल्स इन प्लैटफॉर्म्स पर साझा न करें। इसके अलावा, अपना आखिरी नाम, पता, फोन नंबर भी साझा न करें। अपने मोबाइल पर कोई अनजाना मोबाइल ऐप न डाउनलोड करें। अगर कोई आपको ई-मेल अटैचमेंट्स या इंस्टैंट-मेसेज अटैचमेंट भेजे तो उसे उस वक्त तक ओपन न करें, जब तक आप इस बात को लेकर सुनिश्चित न हो जाएं कि इसमें कोई वायरस नहीं है।

अगर कोई अनजान आपसे चैटिंग कर रहा है, तो उसकी प्रोफाइल फोटो को गूगल पर रिवर्स सर्च कीजिये। अगर स्कैमर होगा तो शायद आपको उसकी जानकारी मिल सकती है। किसी भी कीमत पर मात्र ऑनलाइन चैट या फोन पर बात करके पैसे बिलकुल मत भेजिए। किसी भी कीमत पर अपनी कोई निजी जानकारी साझा मत कीजिए। वीडियो चैट करते समय ज्यादा सावधानी बरतिए। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक मत कीजिए। यह आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। सोशल मीडिया पर आई फ्रेंड रिक्वेस्ट को आंख बंद करके एक्सेप्ट मत कीजिए।

यदि आपको कुछ भी गलत लगे तो सीधा पुलिस को रिपोर्ट करें। आप की जानकारी आज के समय में ऑनलाइन कंपनी की सबसे बड़ी हथियार है। इसलिए अपनी जानकारी को संभाल कर रखें किसी भी एप या वेबसाइट को बिना सोचे समझे अपनी जानकारी हासिल करने ना दे। सतर्क रहें और सावधान भी।

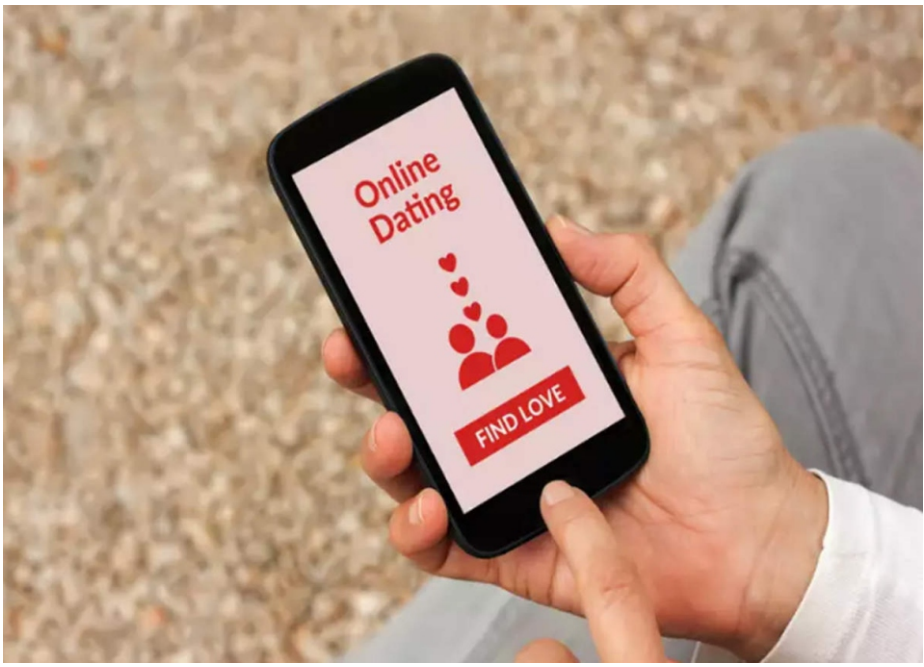

क्या किया जा सकता है?

यदि आप अकेले हों तो आप ऐसे समय में थेरेपिस्ट का सहायता ले सकते हैं। जो ना सिर्फ आपसे बात करेंगे बल्कि आपकी समस्या को समझ कर आप को हल भी बताएंगे। जिससे यदि आप अवसाद से पीड़ित हो तो ऐसे समय में भी आपको बहुत सहायता मिलेगी। दूसरी चीज हमें लोगों के बीच डेटिंग एप को लेकर जागरूकता फैलाने की जरूरत है। आप अपने दोस्त, परिवार, आसपास के लोगों को इन फेक डेटिंग एप से सतर्क रहने के बारे में बता सकते हैं। इसके अलावा बड़ी-बड़ी कंपनियों को ऐसे फेक एप अपने प्ले स्टोर से हटा देना चाहिए ताकि धोखाधड़ी कम हो सके और लोग एक विश्वास की दुनिया में जीना सीखें।

आज के समय में डेटिंग एप द्वारा फ्रॉड बहुत ही आम बात बन चुकी है। कई बार कंपनियां लोगों को लूटने के लिए चाइना, वियतनाम, जैसी जगहों से ऑपरेट करती हैं। ऐसे में तो दोषियों को पकड़ा भी नहीं जा सकता। इसलिए जरूरी है कि आप स्वयं इन बातों का ध्यान रखें, और कोई भी एप इस्तेमाल करने से पहले उसकी पुष्टि अवश्य करें।

कोरोना गाइडलाइंस 31 मार्च तक बढ़ी, सरकार ने सभी राज्यों को सावधानी बरतने की सलाह दी!

देश में कोरोना संकट अभी थमा नहीं है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए लागू गाइडलाइंस की समयसीमा बढ़ा दी है। देशभर में कोविड-19 से जुड़े दिशानिर्देश अब 31 मार्च तक लागू रहेंगे। इस संदर्भ में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। पत्र में सभी राज्यों से सावधानी और सख्त निगरानी बनाए रखने की सलाह दी है।

गृह मंत्रालय ने कहा, 'कोरोना वायरस से जुड़े दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। संबंधित प्रशासन द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सभी गतिविधियों की अनुमति दी गई है। पड़ोसी देशों से व्यापार के लिए लोगों के आने जाने और वस्तुओं के आदान-प्रदान पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा।'

मंत्रालय ने ये भी कहा है कि देश में एक्टिव केस और नए मामलों की संख्या में पिछले कुछ महीनों की तुलना में काफी गिरावट आई है। लेकिन फिर भी महामारी को पूरी तरह से दूर करने के लिए सावधानी और कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता है।

क्या है कोरोना गाइडलाइंस?

कोरोना महामारी से बचाव के लिए 27 जनवरी को दिशानिर्देश जारी किए गए थे। इनके अनुसार, सिनेमा हॉल और थिएटरों को दर्शकों के साथ चलाने की अनुमति दी गई है। एक राज्य से दूसरे राज्य लोगों की आवाजाही और वस्तुओं की ढुलाई पर कोई रोक नहीं है। स्वीमिंग पूल को भी इस्तेमाल की अनुमति दे दी गई है।

वाणिज्यिक यात्री उड़ानों की निलंबन 31 मार्च तक बढ़ा -

विमानन नियामक डीजीसीए ने अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री उड़ान सेवाएं निलंबित रखने की अवधि 31 मार्च तक के लिये बढ़ा दी। कोविड-19 महामारी के कारण अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन पिछले साल 23 मार्च से निलंबित है। हालांकि चुनिंदा मार्गों पर अंतरराष्ट्रीय अनुसूचित उड़ानों को सक्षम प्राधिकरण द्वारा मामला-दर-मामला आधार पर अनुमति दी जा सकती है।

कोरोना गाइडलाइंस बढ़ाने की वजह क्या है?

कोरोना गाइडलाइंस की समयसीमा बढ़ाए जाने की वजह कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या देखी जा रही है। भारत में संक्रमण का ग्राफ एक बार फिर चढ़ने लगा है। लगातार तीसरे दिन 16 हजार से ज्यादा कोरोना के नए केस आए हैं। पिछले 24 घंटों में 16,488 हजार नए कोरोना केस आए और 113 लोगों की जान चली गई है। हालांकि 12,771 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। इससे पहले शुक्रवार को 16,577 नए कोरोना केस दर्ज किए थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अब देश में कोरोना के कुल मामले बढ़कर एक करोड़ 10 लाख 79 हजार 979 हो गए हैं। कुल एक लाख 56 हजार 938 लोगों की जान जा चुकी है। एक करोड़ सात लाख 63 हजार 451 लोग कोरोना को मात देकर ठीक भी हो चुके हैं। देश में अब एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 1 लाख 59 हजार 590 हो गई है यानी कि इतने लोग अभी कोरोना संक्रमित हैं।

व्रत और त्योहारों से भरा मार्च का महीना!

साल का मार्च महिना व्रत एवं त्योहारों की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होता है। हिन्दू कैलेंडर का अंतिम माह फाल्गुन भी इसमें ही शुरु होता है। मार्च में विजया एकादशी, प्रदोष व्रत, होली, महाशिवरात्रि, फाल्गुन अमावस्या, होलाष्टक, आमलकी एकादशी, होलिका दहन, फाल्गुन पूर्णिमा, गणेश चतुर्थी, होली भाई दूज, बरसाने की होली आदि पड़ते हैं। इन तमाम त्योहारों में महाशिवरात्रि, रंगभरी एकादशी, चिता भस्म की होली, होलिका दहन और रंगों वाली होली वाराणसी में विशेष महत्त्व रखता है। यहाँ पर इन त्योहारों को बड़े ही उल्लास के साथ मनाया जाता है।

आइये, एक-एक करके इन त्योहारों के बारे में विस्तार से जानते हैं -

फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी के दिन मनाया जाता है महाशिवरात्रि का पर्व!

भगवान शिव को देवादि देव, महादेव, शंकर, नीलकंठ, भोलेनाथ, शिव-शम्भू, महेश और भोले भंडारी जैसे अनेकों नाम से जाना जाता है। कहते हैं कि तन-मन और पूर्ण श्रद्धा से जो कोई भी भोले भंडारी की आराधना करता है उसे मनवांछित फल मिलता है। वे अपने भक्तों के दुख और परेशानियों को देख नहीं पाते। महाशिवरात्रि के मौके पर भक्त दिन-भर भूखे-प्यासे रहकर शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं और उन्हें प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं। हिंदू धर्म में शिवरात्रि का बहुत ज्यादा महत्व है। इस वर्ष महाशिवरात्रि 11 मार्च, गुरुवार के दिन मनाई जाएगी। इस दिन कई शुभ योग बन रहे हैं। यह तिथि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को आती है। इस दिन शिव योग बन रहा है। साथ ही इस दिन नक्षत्र घनिष्ठा रहेगा और चंद्रमा मकर राशि में विराजमान रहेगा। महाशिवरात्रि के दिन स्वयंभू शिवजी की पूजा की जाती है।

महाशिवरात्रि पूजा का शुभ मुहूर्त!

महाशिवरात्रि तिथिः 11 मार्च 2021 (बृहस्पतिवार)
चतुर्थी तिथि प्रारंभः 11 मार्च 2021 को दोपहर 2 बजकर 39 मिनट से
चतुर्थी तिथि समाप्तः 12 मार्च 2021 को दोपहर 3 बजकर 2 मिनट तक
शिवरात्रि पारण समयः 12 मार्च की सुबह 6 बजकर 34 मिनट से शाम 3 बजकर 2 मिनट तक

रंगभरी एकादशी के दिन घर आएगा सौभाग्य, भूल से भी ना करें ये काम!

होली का त्योहार करीब है और हिंदू धर्म शास्त्रों में होली को प्रमुख त्योहार का दर्जा दिया गया है। शास्त्रों में हर महीने की तिथि और व्रत त्योहारों का अपना एक खास महत्व होता है। होली से पांच दिन पहले पड़ने वाली एकादशी को रंग भरी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। काशी के ज्योतिषाचार्य शशि शेखर त्रिवेदी के अनुसार इस साल रंगभरी एकादशी का मुहुर्त 24 मार्च को प्रातः 06:02 बजे से प्रातः 06:12 बजे तक रहेगा। रंगभरी एकादशी के दिन काशी में काशी विश्वनाथ का प्रतिष्ठा महोत्सव और श्रृंगार दिवस मनाया जाता है। हिंदू धर्म में ऐसी मान्यता है कि रंगभरी एकादशी के दिन व्रत रखने से सभी पापों का नाश होता है और पुण्य फल मिलता है। हिंदू शास्त्रों में रंगभरी एकादशी के दिन पर स्नान, दान और व्रत करने से हजारों गोदान के बराबर फल की प्राप्ति बताई गई है। रंगभरी एकादशी भगवान श्रीहरि यानी विष्णु जी की पूजा-अर्चना से संबंधित व्रत है। काशी के ज्योतिषाचार्य के अनुसार व्रत रखने वाले व्यक्ति को सुबह उठ कर स्नान करना चाहिए। इसके बाद अपने इष्ट देवता का ध्यान कर के रंगभरी एकादशी के व्रत का संकल्प लेना चाहिए।

इसके साथ ही व्रत के सभी नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि विष्णु देव का वास आंवले के वृक्ष के नीचे होता है। इसलिए रंगभरी एकादशी के व्रत पर आंवले के पेड़ की पूजा पूर्व दिशा में मुंह करके करनी चाहिए। साथ ही आंवले के पेड़ के पूजा करते समय फूल, धूप, दीप, नैवेद्य अर्पित करना जरूरी है। पूजा के बाद पेड़ की आरती करके उसकी परिक्रमा लगानी चाहिए। अगर आप आंवले का फल दान करते है तो सौभाग्य में वृद्धि होगी। भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए व्रत रखने वाले व्यक्ति को ' नमो भगवते वासुदेवाय' का जाप करना चाहिए। पूरे दिन निराहार व्रत रखना चाहिए। जरूरत पड़ने पर दूध या फलाहार ले सकते हैं। इस व्रत को रखने वाले व्यक्ति को दिन में नहीं सोना चाहिए। इसके अलावा रात्रि जागरण करना लाभकारी सिद्ध होगा। रंगभरी एकादशी पर ब्राह्मण को अपनी क्षमता के अनुसार दान देना लाभकारी सिद्ध होगा।

राग-विराग की नगरी काशी में महाश्मशान मणिकर्णिका पर चिता भस्म की होली!

राग विराग की नगरी काशी की परंपराएं भी अजग और अनोखी हैं। रंगभरी एकादशी पर भूतभावन बाबा भोलेनाथ के गौना के दूसरे दिन काशी में उनके गणों के द्वारा चिता भस्म की होली की मान्यता है। रंगभरी एकादशी के मौके पर गौरा को विदा करा कर कैलाश ले जाने के साथ ही भगवान भोलेनाथ काशी में अपने भक्तों को होली खेलने और हुडदंग की अनुमति प्रदान करते हैं।

बाबा के होली के हुडदंग की अनुमति के बाद ही काशी होलियाने मूड में आती है। इस बार 25 मार्च को महाश्मशान पर चिता भस्म की होली दोपहर में खेली जाएगी।

परंपराओं के अनुसार रंगभरी एकादशी के ठीक अगले दिन भगवान शिव के स्वरुप बाबा मशान नाथ की पूजा कर श्मशान घाट पर चिता भस्म से उनके गण होली खेलते हैं। दरअसल मान्यतानुसार रंगभरी एकादशी पर बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ गौरा का गौना कराने आते हैं। सांसारिकता और राजसी ठाट बाट के बाद दूसरे दिन दोपहर में अपने गणों के बीच महाश्मशान मणिकर्णिका पर पूरे मन मिजाज के साथ उतर आते हैं। भूत-पिशाच समेत गणों के साथ चिता भस्म से होली खेली जाती है।

काशी मोक्ष की नगरी है और मान्यता है कि यहां भगवान शिव स्वयं तारक मंत्र देते हैं। लिहाजा यहां पर मृत्यु भी उत्सव है और होली पर चिता की भस्म को उनके गण अबीर और गुलाल की भांति एक दूसरे पर फेंककर सुख-समृद्धि-वैभव संग शिव की कृपा पाने का उपक्रम करते हैं।

काशी में परंपरागत चिता भस्म की होली की तैयारियां एक दिन पूर्व ही पूरी कर ली जाती हैं। मणिकर्णिका घाट के अलावा हरिश्चंद्र घाट पर भी चिता भस्म की होली पूरे धूमधाम से मनाई जाती है। महाश्मशान पर जहां सदियों से चिताएं कभी ठंडी नहीं हुई वहां पर राग विराग और परंपराओं का उत्सव चिता भस्म की होली खेलने दूर दूर से उनके भक्त गण आते हैं। चिता भस्म की होली खेलने के साथ ही गंगा घाट की फिजाओं में 'खेलें मशाने में होरी दिगंबर खेलें मशाने में होरी' के बोल गूंज उठते हैं।

इस दिन काशी में ढोल, मजीरे और डमरुओं की थाप के बीच भक्तगण जमकर झूमते हैं और हर-हर महादेव के उद्घोष से महाश्मशान गूंजता रहता है। इससे पहले घाट पर स्थित बाबा मसाननाथ की पूरी भव्यता के साथ आरती की जाती है। एक ओर धधकती चिताएं तो दूसरी ओर गीतों के बीच शिव भक्त चिता भस्म की होली खेल कर मोक्ष की नगरी काशी में राग और विराग को एकाकार किया करते हैं।

होली की आग में वासनात्मक आकर्षण को प्रतीकत्मक रूप से जला कर सच्चे प्रेम की विजय का उत्सव है होलिका दहन!

किसी भी त्योहार में पूजा-पाठ के साथ कथा का भी विशेष महत्व होता है। होलिका दहन के समय भी कथा करने का विधान है। मान्यता है कि होलिका दहन के दौरान कथा पढ़ने या सुनने से सुख-समृद्धि आती है और स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। कहा जाता है कि होली पर पीली सरसों के जरिए मां लक्ष्मी को प्रसन्न किया जा सकता है। इसके लिए होलिका दहन पर पीली सरसों से हवन करें। ऐसा कहा जाता है कि इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन संपत्ति और भंडारे भरती हैं।

इस साल होलिका दहन 28 मार्च के दिन है। बात करें होलिका दहन मुहूर्त कि तो इस बार होलिका दहन सायं 06:37 बजे से रात्रि 20:56 बजे के बीच की जाएगी।

पौराणिक कथा के अनुसार, हिरण्यकश्यप के पुत्र प्रह्लाद भगवान के अनन्य भक्त थे। उनकी इस भक्ति से पिता हिरण्यकश्यप नाखुश थे। इसी बात को लेकर उन्होंने अपने पुत्र को भगवान की भक्ति से हटाने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन भक्त प्रह्लाद प्रभु की भक्ति को नहीं छोड़ पाए। अंत में हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को मारने के लिए योजना बनाई। अपनी बहन होलिका की गोद में प्रह्लाद को बैठाकर अग्नि के हवाले कर दिया। लेकिन भगवान की ऐसी कृपा हुई कि होलिका जलकर भस्म हो गई और भक्त प्रह्लाद आग से सुरक्षित बाहर निकल आए, तभी से होली पर्व को मनाने की प्रथा शुरू हुई।

एक अन्य कथा के अनुसार, हिमालय पुत्री पार्वती चाहती थीं कि उनका विवाह भगवान शिव से हो जाये पर शिवजी अपनी तपस्या में लीन थे। कामदेव पार्वती की सहायता को आये। उन्होंने प्रेम बाण चलाया और भगवान शिव की तपस्या भंग हो गयी। शिवजी को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल दी। उनके क्रोध की ज्वाला में कामदेव का शरीर भस्म हो गया। फिर शिवजी ने पार्वती को देखा। पार्वती की आराधना सफल हुई और शिवजी ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। होली की आग में वासनात्मक आकर्षण को प्रतीकत्मक रूप से जला कर सच्चे प्रेम की विजय का उत्सव मनाया जाता है। होलिका दहन के अगले दिन रंग वाली होली खेली जाती है। इस वर्ष रंग वाली होली 29 मार्च के दिन खेली जाएगी। होली एक ऐसा त्योहार है जो भारतवर्ष के साथ-साथ, दुनियाभर में भी मनाया जाता है। इसमें से मथुरा, वृंदावन और बरसाना की होली, देश भर में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। प्यारभरे रंगों से सजा यह पर्व हर धर्म, संप्रदाय व जाति के बंधन खोलकर भाईचारे का संदेश देता है। इस दिन सारे लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भूलकर गले लगते हैं और एक-दूजे को गुलाल लगाते हैं। होली एक ऐसा रंग-बिरंगा त्योहार है जिसे हर धर्म के लोग पूरे उत्साह और मस्ती के साथ मनाते हैं।

मेष– यह महीना आपके लिए शुभ रहेगा। संतान लाभ का योग बन रहा है तथा संतान की ओर से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। संतान आपके भाग्यबृद्धि में सहायक होगा। घर में धार्मिक कार्य हो सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से भी धन लाभ मिल सकता है।

वृषभ– जीवन साथी का भरपूर सहयोग मिलेगा परन्तु कभी कभी अनबन की भी संभावना बन रही है। परिवार के अन्य सदस्यों का भी सहयोग मिलते रहेगा। मकान के ऊपर खर्च होगा। घर में कोई समारोह हो सकता है। भूमि तथा शेयर से लाभान्वितहो सकते हैं। नस तथा श्वास के रोगी को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन– दुविधा में दोनों गए माया मिले न कोय। अपने विश्वास को डगमगाने न दीजिए। सुनियोजित फैसला करें लाभ मिलेगा। विवाह का सुन्दर योग बन रहा है। प्रेम अथवा प्रेम विवाह दोनो में सफलता मिलेगी परन्तु फरवरी मध्य से तक फैसला ले–ले तो अच्छा रहेगा। संतान पक्ष से भी सुखद समाचार मिलने की संभावना है। आय प्राप्ति के नये स्रोत बनेंगे।

कर्क– यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप ब्याज पर पैसे देकर ब्याज का लाभ लेंगे। मामा पक्ष से लाभ मिल सकता है। अधिक धन लाभ के चक्कर में जल्दबाजी में कोई फैसला न करें। यदि आपके पिता नौकरी में हैं तो वाद–विवाद से बचें उनके साथ साजिश भी हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखना सीख लीजिए। प्रोपर्टी के ऊपर विवाद तथा केश मुकदमा की संभावना है।

सिंह– अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।मध्य फरवरी तक दुर्घटना तथा लड़ाई झगड़े की संभावना है संभलकर रहे। शिक्षा क्षेत्र से जुडे जातक के लिए यह महीना अच्छा है। कोई नया कार्य प्रारम्भ हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। प्रशासनिक कार्यो में सफलता मिलेगा। कार्यस्थल पर प्रेम सम्ब का नया अध्याय शुरू हो सकता है।

कन्या– महीना के शुरुआत में स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा बाद में कुछ परेशानी हो सकती है।अपने पिता के सहयोग से प्रोपर्टी तथा व्यापार में लाभ मिलेगा। शिक्षा तथा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। बच्चों तथा किसी शुभ आयोजन के ऊपर खर्च होने की संभावना है। सामाजिक प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। आय के नये स्रोत बनेंगे। लेखन क्षेत्र से धनार्जन हो सकता है।

तुला– यह महीना आपके लिए सुखद रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। घर की सुख–सुविधाओं का विस्तार हो सकता है। आय में कमी एवंअधिक खर्च की संभावना है रहन–सहन कष्टदायी हो सकता है परन्तु घबराने की जरूरत नहीं है स्थिति नियंत्रण में होगा। आप अपके परिश्रम से कार्यों का विस्तार होगा एवं भाग्य वृद्धि होगी। आत्मसंयत में रहना श्रेष्ठकर होगा।

वृश्चिक– यह महीना खर्चे का है आपको उधार लेकर खर्च करना पड़ सकता है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। धार्मिक यात्रा का योग बन रहा है।यदि राजनीति से सम्ब रखते है तो इच्छा की पूर्ति हो सकती है। भाईयों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रोपर्टी क्रय – विक्रय से लाभ हो सकता है। काम में रूकावट आ सकती है धैर्य से काम ले।

धनु–आप स्वयं भाग्य स्थान में बैठकर भाग्य की वृद्धि कर रहे हैं यह महीना आपके लिए सामान्य रहेगा। खर्च पर नियंत्रण रखें रखा पैसा भी खर्च हो सकता है। धन आएगा भी परन्तु रुकेगा नहीं। कोई भी कार्य जल्दबाजी में न करें। भाई या दोस्त धोखा भी दे सकते हैं। छात्रों को प्रतियोगिता का लाभ मिलेगा परन्तु अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है।

मकर– मकर राशि का स्वामी शनि है और इस राशि पर शनि अपने घर में बैठे भी हैं अतः आपके लिए यह समय ठीक रहेगा फिर भी स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कार्य स्थल पर सतर्कता बरतें वाद विवाद हो सकता है। प्रेम में धोखा हो सकता है या गलत फायदा उठाया जा सकता है। महीना के उत्तरार्द्ध से सब ठीक हो जाएगा।रूके हुए कार्य पूरे होंगे।

कुंभ– प्रोपर्टी खरीद बिक्री से आपको फायदा होगा। जानें! कब है प्रोपर्टी खरीदने का शुभ दिन। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यदि आप नौकरी की तलाश में हैं तो इसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करना पड़ेगा। नौकरी में पदोन्नति भी हो सकती है। यात्रा की योजना बन सकती है। कला, संगीत तथा फैशन क्षेत्र से आपको लाभ मिल सकता है।

मीन– पारिवारिक जीवन सामान्य रुप से चलते रहेगा। इस माह धैर्य से काम ले आपकी धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे। आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में रुचि और बढ़ेगी। लेखन आदि बौद्धिक कार्यों से आपको लाभ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ वैचारिक भिन्नता के कारण मन मुटाव हो सकता है।

कोलकाता में असदुद्दीन ओवैसी की रैली रद्द, पुलिस ने नहीं दी इजाजत

पुलिस द्वारा 25 फरवरी को ऑल इंडिया मजलिस-ऐ-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की पश्चिम बंगाल के कोलकाता में होंने वाली रैली को रद्द कर दिया गया है। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के द्वारा अल्पसंख्यक बहुल मोटियाब्रुज इलाके में रैली के जरिए बंगाल विधान सभा चुनाव से पहले पार्टी के प्रचार अभियान का आगाज करना था। एआईएमआईएम के प्रदेश सचिव जमीर उल हसन ने बताया कि उन्होने 10 दिन पहले इजाजत के लिए आवेदन दिया था, लेकिन पुलिस ने उन्हें रैली के एक दिन पहले यह सूचित किया कि उन्हें इज़ाज़त नहीं दी जाएगी। उनका कहना है कि हम टीएमसी के ऐसे हथकंडो के आगे झुकेंगे नहीं, हम चर्चा करेंगे और कार्यक्रम की नयी तारीख बताएंगे। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगात रॉय ने इस मामले में अपनी पार्टी की भूमिका से इंकार कर दिया है। पुलिस ने भी इस मामले पर टिपण्णी करने से इंकार कर दिया है।

बनारस में क्रिकेट का ककहरा सिखने वाले सूर्य कुमार यादव का हुआ टीम इण्डिया में सलेक्शन

बनारस की गलियों से IPL में अपनी जगह बनाने वाले सूर्य कुमार यादव को आखिर भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिल ही गयी। भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले T-20 सीरीज के 19 सदस्यीय टीम में सूर्य कुमार यादव को शामिल किया गया है। सूर्य कुमार यादव को टीम इण्डिया में जगह मिलने के बाद उनके परिवार में ख़ुशी की लहर दौड़ पड़ी है। उनके घरवालों के साथ उनको क्रिकेट ककहरा सीखाने वाले उनके चाचा विनोद यादव ने कहा कि उनका सपना अब पूरा हो गया है। सूर्य कुमार यादव मूलतः गाजीपुर-वाराणसी के बीच हथौड़ा गांव के निवासी है। उनके चाचा विनोद यादव ने बताया कि उन्हें बचपन से ही क्रिकेट खेलने का शौक था और वो 10 साल की छोटी उम्र में ही बेहतर प्रेक्टिस के लिए मुम्बई चले गए। पता दें कि सूर्य कुमार यादव के पिता अशोक कुमार यादव भाभा रिसर्च सेंटर में इंजीनियर के पद पर तैनात है और मुंबई जाने से पहले सूर्य कुमार यादव कुछ दिनों के लिए वाराणसी में रहे और यहीं से उन्हें क्रिकेट के प्रति लगाव हुआ। उनके चाचा विनोद यादव ने बताया कि वाराणसी में गलियों में उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया और यहीं से उनके क्रिकेट कैरियर की शुरुवात हुयी। सचिन तेंदुलकर को अपना रोल मॉडल मानने वाले सूर्य कुमार यादव ने क्रिकेट की पहली सीधी यहीं से चढ़ी और उनकी प्रतिभा परवान पर चढ़ रही है।

NEWS

TOP HEADLINES

पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर प्रदर्शन जारी

देश में बढ़े पेट्रोल डीजल और गैस के दामों के चलते जहां पूरे देश में आक्रोश का माहौल बना हुआ है और कई जगहों पर प्रदर्शन भी हो रहे हैं। वाराणसी के राजा तालाब तहसील में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा बढ़े दामों के खिलाफ जुलुस प्रदर्शन के साथ सभा की गयी। बीते माह रोहनिया राजातालाब तहसील में भारतीय मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा तहसील कमेटी राजा तालाब के मंत्री कॉमरेड लालमणि वर्मा के नेतृत्व में सरकार द्वारा बढ़ाये गए पेट्रोल डीजल और गैस के दामों के विरोध में राजा तालाब बाज़ार से नारेबाज़ी करते हुए जुलुस के साथ पैदल मार्च निकाल कर राजा तालाब तहसील पर पहुंचे। वहां उप जिलाधिकारी कार्यालय के सामने सभा किया गया। सभा के अंत में महंगाई की मांग पत्र को राष्ट्रपति महोदय के नाम उप जिलाधिकारी राजा तालाब मणिकंदन ए को ज्ञापन सौंपा गया। इस प्रदर्शन में कामरेड लालमणि वर्मा, डॉ शिवशंकर शास्त्री ,सियाराम उर्फ़ भानु यादव, नारायण, रामभरोस, रामपाल, कैलाश, रामभरोस, लालचंद, पुनवासी, दूधनाथ,कमला प्रसाद, शंकर लक्ष्मीशंकर, सुरेश कुमार, गोवर्धन, छोटेलाल, राम नारायण सिंह, गौरीशंकर, रामगोपाल इत्यादि लोग शामिल हुए।

कोरोना को लेकर दिल्ली सरकार अलर्ट, एंट्री के लिए निगेटिव रिपोर्ट किया अनिवार्य

देश के 5 राज्यों में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिल्ली आपदा प्रबंधन ने बड़े कदम उठाना शुरू कर दिया है। दिल्ली आपदा प्रबंधन ने भी महाराष्ट्र, केरल, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब से दिल्ली आने वालों के लिए अब आरटी-पीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य कर दिया है। इन 5 राज्यों से आने वाले लोगों की रिपोर्ट 72 घंटे से पुरानी नहीं होनी चाहिए और अगर 72 घंटे से पुरानी होती है तो उन्हें दिल्ली में एंट्री नहीं मिलेगी या फिर कोरन्टाइन भी किया जा सकता है। यह नियम 26 फरवरी शुक्रवार आधी रात से 15 मार्च दोपहर 12 बजे तक लागू रहेगा।

लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर परफ्यूम की बोतल में पकड़ा गया सोना

देश में लगातार सोने की तस्करी के मामलों में बढ़ोत्तरी हो रही है। ताजा मामला वाराणसी का है जहाँ के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान सोना पकड़ा गया। जानकारी के मुताबिक कस्टम विभाग ने एक महिला यात्री को 355.65 ग्राम सोने के साथ पकड़ा। पकड़े गए सोने की कीमत लगभग 16 लाख 71 हजार 631 रूपये बतायी जा रही है। आपको बता दें कि शारजाह से एयर इण्डिया के विमान IX 1184 से वाराणसी पहुंची महिला ने परफ्यूम की बोतल में सोना छिपाकर रखा था। एयरपोर्ट अधिकारियों ने जानकारी दी कि चेकिंग के दौरान महिला के सामान में से जेंट्स परफ्यूम की बोतल मिली और उस बोतल की स्कैनर से जांच न हो पाने के कारण उसे खोलकर देखा गया। उस परफ्यूम की बोतल में सोने के 136 छोटे-छोटे टुकड़े मिले, जिसे जांच से बचने के लिए ग्रे रंग की धातु से पॉलिस किया गया था।

बंगाल की जनता को नरेंद्र मोदी की सरकार चाहिए - अश्विनी चौबे

वाराणसी में केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार एवं कल्याण राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि कोरोना वैक्सीन को लेकर पूरा विश्व आज भारत की ओर देख रहा है। आने वाले समय में भारत के पास 4 और कोरोना वैक्सीन आने वाली है ऐसे में भारत के पास वैक्सीन की कमी नहीं होगी। किसानों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष सिर्फ राजनैतिक षड्यंत्र कर रहा है। उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार शरद पवार की ओर से लाया गया और विपक्ष किसानों के शत्रु है, वो केवल अपने परिवार को लोगों को बढ़ावा देने का काम किया करते हैं। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों पर उन्होंने कहा कि ये सब वैश्विक बाजार में तय होता है और आने वाले दिनों में अरब की खाड़ी में वैकल्पिक पेट्रोल तैयार हो रहा है, आने वाले दिनों में स्वदेशी पेट्रोल भी तैयार होगा। श्री राम के नारे पर पश्चिम बंगाल में मचे घमासान पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि श्री राम के नारे के बिना ममता बेनर्जी का भी कल्याण नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की पार्टी बंगाल में तांडव कर रही है।

NEWS
TOP HEADLINES

मंडलीय शाकभाजी, फल व पुष्प प्रदर्शनी

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंडलीय शाकभाजी, फल और पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी वाराणसी कचहरी स्थित कम्पनी बाग में आयोजित की गयी। इस प्रदर्शनी में ऋतू फल, सब्जियों और पुष्प को सजाया गया। प्रदर्शनी के संबंध में जिला उद्यान अधिकारी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि विगत कई वर्षों से हो रहे इसमें गुणवत्ता युक्त सब्जियों की प्रदर्शनी लगायी गयी है जिससे वैश्विक बाजार में इनको जगह मिल सके और अपनी पहचान स्थापित कर सके। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में लगभग 3 हजार से अधिक इस ऋतू में होने वाले पुष्पों को लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में पुरस्कारों की घोषणा की गयी है जिसमे 16 श्रेणियों में पुरस्कार रखे गए है। प्रदर्शनी में बनारसी पान, लंगड़ा आम और रामनगर के बैगन, जिसको जीआई टैग मिलने वाला है, उनकी भी प्रदर्शनी लगायी गयी।

कई राज्यों में फिर से छाया कोरोना का संकट

देश के कई राज्यों में कोरोना महामारी ने फिर से पैर पसारना शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र के अलावा मध्य प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़ जैसे कई राज्य ऐसे है जहां कोरोना ने फिर से दस्तक दी है। बात करें महाराष्ट्र की तो कोरोना के मामलों में लगभग 81 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ाते हुए मामलों को देखते हुए पुणे में 28 फरवरी तक स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए। नासिक में रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक आवाजाही बन्द कर दी गयी और नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसके अलावा चंडीगढ़ में 43 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 43 प्रतिशत, पंजाब में 31 प्रतिशत, जम्मू कश्मीर में 22 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 13 प्रतिशत, हरियाणा में 11 प्रतिशत मामले बढें हैं। दिल्ली में भी फिर से कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे है। एक हफ्ते के भीतर 954 नए केस दर्ज किये गए। आपको बता दें कि कर्नाटक देश का चौथा ऐसा राज्य है जहां कोरोना के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किये गए है। हालांकि राहत की बात तो ये रही कि मौत के आकड़ो में बढ़ोत्तरी नहीं हो रही है।

पेट्रोल-डीजल: अब RBI के गवर्नर ने की टैक्स घटाने की वकालत

एक ओर जहां पेट्रोल डीजल की बढ़ी कीमतों को देखते हुई कई राज्यों ने इन पर लगे टैक्स को कम कर दिया है तो वहीं अब सरकार के अंदर से भी इसको लेकर कवायत शुरू की जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बाद अब रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के गवर्नर शक्ति कांता दास ने भी टैक्स घटा कर

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों को काबू करने का सुझाव दिया है। आरबीआइ मॉनिटरी पॉलिसी के मिनट्स में शक्ति कांता दास ने सरकार से अपील की है कि वह पेट्रोल और डीजल की कीमतें घटाने के लिए वो इनडायरेक्ट टैक्स में कटौती करें। उन्होंने कहा है कि टैक्स की कैलिब्रेटेड अनवाईंडिंग करना जरुरी है। ताकि इकोनॉमी के ऊपर से कीमतों का दबाव हटाया जा सके।

खेत में खून से सनी युवक की लाश मिलने से मचा हड़कंप

चंदौली के मुगलसराय थाना अंर्तगत साहूपुरी इलाके में बीते माह खेत में पड़ी युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सुबह टहलने निकले लोगों ने जब खेत में युवक की लाश देखी तब ग्रामीणों ने फौरन पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस के मुताबिक युवक की हत्या चाकू से गोदकर की गयी है और शरीर पर कई बार चाकू से प्रहार किया गया है। इसेक अलावा सिर को बूरी तरफ से काटा गया है। ग्रामीणों ने

बताया कि जब वो सुबह टहलने निकले तो सड़क किनारे खेत के में एक युवक के शव को देखा। उन्होंने बताया कि युवक के पूरे शरीर पर कई जगहों पर चाकू से कई बार वार किया गया था और सिर को रेता गया था। फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो पायी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

NEWS
TOP HEADLINES

जीएसटी को लेकर सरल कानून की मांग

वाराणसी में जीएसटी में सरलीकरण और छोटे व्यापारियों के लिए सरल कानून की मांग के लिए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल (कंछल गुट) द्वारा वाराणसी मंडल के अध्यक्ष विजय कपूर और महासचिव मुकेश जयसवाल के नेतृत्व में खाद्य मंडी विशेश्वरगंज में बैनर लेकर प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष और महासचिव का कहना है कि जीएसटी को आये 3 साल हो गये हैं और इन 3 सालों में इसमें 1000 से ज्यादा बदलाव आये हैं, मगर व्यापारियों को कोई राहत नहीं मिली। उनका कहना है की सरकार भले ही लॉकडाउन के बाद भले ही बाजार को तेज़ी देने के लिए पर्याप्त वितीय सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठा रही है मगर जीएसटी में ई-वे बिल सहित कई और प्रावधानों के वजह से उद्योग व्यपार जगत संकट में है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विजय कपूर, मुकेश जयसवाल, नंदकुमार टोपी वाले, अनिल केसरी, राजेश केसरी, अशोक गुप्ता, प्रदीप गुप्ता,अनिल सोनी, नितिन टंडन, राजीव खन्ना, अमरेश जयसवाल, सुनील अहमद खान, डॉ मनोज यादव, राजेश श्रीवास्तव, जगमोहन पाठक, विकास जयसवाल, कुलदीप जयसवाल, पप्पू यादव सहित और भी कई व्यापारी मौजूद थे।

धोखाधड़ी को लेकर यूपीआई और बारकोड के जरिये धन संग्रह किया गया बंद

श्री राम मंदिर निर्माण को लेकर चल रहे धन संग्रह के कार्य को रोक दिया गया है। श्री राम मंदिर ट्रस्ट के केंद्रीय उपाध्यक्ष चम्पत राय ने जानकारी दी कि धन संग्रह में मिली धोखाधड़ी की घटना को देखते हुए यूपीआई और बारकोड धन संग्रह को बंद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक 1500 करोड़ रुपये समर्पण निधि अभियान के तहत एकत्रित किया जा चुका है। चम्पत राय ने अखिलेश यादव के चंदाजीवी वाले बयान पर बोलते हुए कहा कि इस प्रकार का बयान देने वाले खुद पतन की ओर जा रहे है। इन्हे ईश्वर और जनता दोनों देख रहे है। पश्चिम बंगाल में 'जय श्री राम' के नारे पर नाराजगी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मै खुद पश्चिम बंगाल होकर आया हूं और 3 दिनों में 10 बैठक की है, मुझे तो कोई परेशानी नहीं हुयी। श्री राम के नारे पर हो रही हत्याओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राम के नाम पर हत्या हो रही ऐसा कहना ठीक नहीं होगा। इनके पीछे अन्य कारण हो सकते हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर मामले में नया पक्ष आया सामने, दर्ज हुआ एक और मुकदमा

काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में एक नया पक्ष सामने आया है। इस पक्ष की ओर से सिविल कोर्ट में काशी विश्वनाथ को मुक्त कराने के लिए नया मुकदमा दर्ज किया गया।

काशी विश्वनाथ मंदिर स्थित श्रृंगार गौरी और आदि विशेश्वर की ओर से यह मुकदमा दायर किया गया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने बताया कि वर्ष में सिर्फ एक बार ही श्रृंगार गौरी की पूजा की अनुमति है। सिविल कोर्ट में यह दावा श्रृंगार गौरी मंदिर की तरफ से दायर किया गया। इस दावे में ये कहा गया कि ये मामला 22 वर्षों से लंबित है और इसे धर्म स्थल अधिनियम 1991 को चुनौती देते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद 25 के अनुसार धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ बताया। मामले में कहा गया कि काशी विश्वनाथ मंदिर के चारों ओर पंचकोस के दायरे में काशी अविमुक्त क्षेत्र है और यहां की अधिष्ठात्री देवी श्रृंगार गौरी है। डॉ राम बिहारी द्विवदी ने कहा कि ये ज्ञानवापी मस्जिद नहीं बल्कि ज्ञानवापी मंदिर है जिसे खंडित किया गया था। उन्होंने कहा कि ये सारी जमीन काशी विश्वनाथ मंदिर की है। सिविल कोर्ट में दायर याचिका में मांग की गयी है कि आदि विशेश्वर और देवी श्रृंगार गौरी की अनवरत से पूजा के अधिकार फिर से बहाल किया जाय।

भारतीय वेशभूषा में खेला गया अनोखा क्रिकेट

सम्पूर्णानन्द संस्कृति विश्वविद्यालय के मैदान में भारतीय वेशभूषा में अनोखी क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मैदान में मौजूद सभी खिलाड़ी धोती-कुर्ता पहने और माथे पर त्रिपुण्ड लगाए दिखे। इस मैच की खासियत ये रही कि इस क्रिकेट मैच की कमेंट्री संस्कृति भाषा में हुयी। सम्पूर्णानन्द के मैदान में खेला गया ये अद्भुत क्रिकेट मैच दशाश्वमेध स्थित श्री शास्त्रार्थ महाविद्यालय के 77 वें स्थापनोत्सव पर आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में बटुक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और भारतीय परिभेष में अपना हुनर दिखाया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ गणेश दत्त मिश्रा ने बताया कि महाविद्यालय के स्थापना दिवस हर वर्ष इस प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस प्रतियोगिता में कुल चार टीमों ने हिस्सा लिया और मैदान में मौजूद सभी खिलाड़ी धोती-कुर्ता और रुद्राक्ष की माला पहने खेलते नजर आये।

पूर्व सांसद मनोज तिवारी ने राहुल गांधी को बताया चीन का एजेंट

वाराणसी के शिवपुर क्षेत्र स्थित ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम आयोजित धर्म संसद में मनोज तिवारी ने शिरकत की। धर्म संसद में उन्होंने कहा कि धर्म संसद का उद्देश्य अधर्म को दूर करना है, जहाँ अधर्म होगा वहां धर्म संसद निदान की प्रक्रिया शुरू करेगी। अखिल भारतीय भ्रह्माण एकता परिसद वाराणसी ने आज विप्र धर्म संसद सुनेंगे मेरा सौभाग्य है कि इन्होने मुझे मुख्या समाज के विविध विविध क्षेत्रों के लोग हैं तो बहुत जरुरी है। उन्होंने कहा कि समाज हमेशा को दूर करेंगे, तो उसी की कोशिश है, सबको अभिमान होना चाहिए। हमारा अपने देश के जरुरत है, जिसकी चर्चा आज हो रही है। राहुल सेना सीमा से पीछे हट रही है तो इसमें राहुल

लगाया है और हम बड़े ध्यान से सबकी बातें अतिथि के रूप में बुलाया और यहाँ बहुत अधर्म को दूर करने के लिए धर्म की चर्चा एक होकर चलेगा तभी जा के हम बिखराव हर धर्म को हर जाती को निजदेश का समाज के शक्ति प्राप्त करने में चर्चा की बड़ी गांधी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यदि चीन की गांधी को दिक्कत क्यों हो रही है! इस मुद्दे पर जुबानी हलमा बोलते हुए मनोज तिवारी ने राहुल गांधी को चीन का एजेंट तक करार दे दिया। किसानों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसानों से 11 बार की वार्ता हो चुकी है और अब 12 वीं का इन्तेजार है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि कानून किसी पे कम्पलसरी ही नहीं है तो भ्रम की स्थिति न फैलाएं। महंगाई के मुद्दे पर वाहवाही लुटते हुए उन्होंने कहा कि इस पर मायावती के सांसद ने भी अमित शाह की तारीफ की थी।

बंगाल के मंत्री जाकिर हुसैन पर बम से हमला, घायल हुए मंत्री

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में नीमटीटा रेलवे स्टेशन पर हुए बम हमले में मंत्री जाकिर हुसैन गंभीर रूप से घायल हुए हैं। साथ ही 20 लोग और घायल हुए हैं, जिनमें से 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बंगाल के मंत्री जाकिर हुसैन को जंगीपुर अनुमंडलीय अस्पताल एसएसकेएम के ट्रॉमा केयर डिपार्टमेंट में भर्ती कराया गया है। साथ ही घायल लोगों को मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, 5 गंभीर घायलों को कोलकाता शिफ्ट कर दिया गया है। दूसरी तरफ जीआरपी ने मंत्री के खिलाफ हमले का मामला दर्ज कर लिया गया है और यह पता लगाया जा रहा है कि बम पहले से लगाया गया था या उसी समय फेंका गया था। अस्पताल के अधिकारी ने बताया की मंत्री जाकिर हुसैन को पैरों और पेट के नीचे के हिस्सों में चोट आयी है। तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं वरिष्ठ मंत्री मलय घटक ने इस हमले के लिए पार्टी के रणनीतिक प्रतिद्वंदियों को जिम्मेदार ठहराया है, पर टीएमसी से निष्कासित सभादिपति मुशर्रफ हुसैन ने पार्टी के आंतरिक कलह को जिम्मेदार ठहराया है।

मध्य प्रदेश में हुआ बस हादसा, परीक्षा देने जा रहे स्टूडेंट्स से भरी थी बस

मध्य प्रदेश के सीधी में भयानक बस हादसा हुआ। नर्सिंग के छात्रों से भरी बस नहर में जा गिरी। जानकारी के मुताबिक बस में 50 से अधिक लोग सवार थे। फिलहाल हादसे के बाद से बचाव कार्य किया जा रहे है, जिसमें अब तक 38 लोगों के शव निकाले जा चुके है। बस के ड्राइवर ने किसी तरह से तैर कर अपनी जान बचायी। सूत्रों के अनुसार यात्रियों से भरी बस मध्य प्रदेश के सीधी से सतना जा रही थी और रास्ते में सामने से आ रही बोलेरो गाड़ी को साइड देने के दौरान हादसा हो गया। नर्सिंग के छात्र-छात्राएं बस में सवार होकर सीधी से सतना परीक्षा देने जा रही थी। हादसे में मरने वालों भी अधिकतर छात्र छात्राएं ही है। देश के प्रधानमंत्री ने घटना पर शोक जताया है। उन्होंने मृतकों के लिए 2 लाख और घायलों के लिए 50 हजार रूपये के मुआवजे का ऐलान किया। इस मामले में एमपी के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मृतकों के परिजनों के लिए 5 लाख रूपये की सहायता राशि की घोषणा की है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी घटना पर शोक जताया और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बात की। अमित शाह ने राहत व बचाव के लिए हर संभव मदद की बात कही।

बिड़ला छात्रावास में देशी कट्टा मिलने से मचा हड़कंप, छात्रों ने बीएचयू गेट पर जड़े ताले

बीएचयू के बिड़ला छात्रावास में देशी कट्टा मिलने से हड़कंप मच गया। ऐसे में आक्रोशित छात्रों ने बीएचयू के सिंह द्वार पर ताला जड़ दिया और प्रदर्शन करने लगे। छात्रावास के कमरे में हथियार मिलने के बाद छात्रों ने कमरे को सीज करने की मांग की। मौके पहुंचे एसपी सिटी विकास चंद्र त्रिपाठी ने छात्रों को समझाया जिसके बाद छात्रों गेट को खोला। इस संबंध में एसपी सिटी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों पर कार्यवाई की जाएगी। आपको बता दें कि बीते 11 फरवरी को बिड़ला छात्रावास के छात्र मुकेश पांडेय के उपर फायरिंग की गयी थी। जब पुलिस और प्रॉक्टोरियल बोर्ड की मौजूदगी में मुकेश का कमरा खाली कराया जा रहा था तभी उसके कमरे से देशी कट्टा बरामद हुआ। उसी दौरान मुकेश पर फायरिंग करने वाले छात्र के साथियों ने हंगामा शुरू कर दिया और सिंह द्वार को बंद कर प्रदर्शन करने लगे।

वाराणसी में मनोज तिवारी के खिलाफ दाखिल हुआ परिवाद

वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी करना मनोज तिवारी को भारी पड़ गया। टिप्पणी को लेकर नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनोज तिवारी के खिलाफ परिवाद दर्ज कराया है। इस परिवाद को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने स्वीकार किया और आगामी कार्यवाही के लिए 26 फरवरी को

अगली तिथि निर्धारित की। राहुल गांधी पर टिप्पणी को लेकर महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे और प्रदेश उपाध्यक्ष कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ अशोक सिंह द्वारा परिवाद दर्ज किया गया, जिसे न्यायालय के द्वारा स्वीकार किया गया।

बसंत पंचमी पर मनाया गया काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का 105वां स्थापना दिवस

बसंत पंचमी के पावन पर्व पर सर्व विद्या की राजधानी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का 105 वां स्थापना दिवस मनाया गया। आपको बता दें कि वर्ष 1916 में बसंत पंचमी के अवसर पर भारत रत्न पंडित मदन

मोहन मालवीय ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। इस मौके पर बीएचयू के कुलपति प्रो. राकेश भटनागर ने पूजन अर्चन किया, उसके बाद उन्होंने ट्रामा सेंटर स्थित नर्सेस फ्लैट और एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का उद्घाटन किया। प्रो. राकेश भटनागर ने कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़े सभी लोग खुद को गौरवान्वित महसूस करते है क्योंकि इस विश्वविद्यालय की स्थापना को वैश्विक ख्याति प्राप्त है। उन्होंने कहा कि मालवीय जी की बगिया को सवारने में सभी सहयोग करें और उनके बताये मार्गों पर चलें। हालांकि कोविड के चलते इस बार किसी प्रकार का भव्य आयोजन और झांकी नहीं निकाली गयी।

वाराणसी की गूगल गर्ल आर्या ने अयोध्या मंदिर निर्माण में दान की समर्पण निधि

अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिये समर्पण निधि देने का काम तेजी से चल रहा है। ऐसे में काशी में रहने वाली 6 साल की गूगल गर्ल आर्या प्रकाश श्रीवास्तव ने सबसे कम उम्र में समर्पण निधि दान की। आर्या ने दूसरों से भी अपील की है कि वे भी बढ़ चढ़ कर मंदिर निर्माण में सहयोग करें। इस अवसर पर आर्या ने रामायण के दोहे भी पढ़ें। आपको बता दें कि 6 साल की आर्या को गूगल गर्ल कहा जाता है। कहा जाता है कि आर्या का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है। छोटी उम्र में जब बच्चे खिलौनों से

खेलते है उस उम्र में आर्या लेपटॉप से खेलती है। वाराणसी की रहने वाली आर्या कक्षा 1 की छात्रा है और उनकी याद की क्षमता अद्भुत है। आर्या को दुनिया के सभी देश और उनकी राजधानी ने नाम जुबानी याद है। सिर्फ याद करने की क्षमता ही नहीं बल्कि आर्या डांसिंग और सिंगिंग करने के साथ ढोलक बजाती है। वैसे आर्या बड़ी होकर आईएएस ऑफिसर बनना चाहती है।

NEWS
TOP HEADLINES

एटीएम फ्राड कर पैसे निकालने वाला अपराधी मुठभेड़ में गिरफ्तार

आजमगढ़ जिले में पुलिस और बदमाशों के बीच हुयी मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश घायल हो गया। एटीएम से फ्राड कर लोगों को लूटने वाले अपराधी की लताश पुलिस काफी दिनों से कर रही थी। बता दें कि आजमगढ़ के दीदारगंज थाना और बिलरियागंज थाने की संयुक्त टीम और एटीएम से फ्राड करने वाले बदमाश नवीन गौतम से मुठभेड़ हो गयी, जिसमें बदमाश घायल हो गया। पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि दीदारगंज थाना अंतर्गत पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुयी जिसमें बदमाश नवीन गौतम को गोली लगी है और वो घायल हो गया। उन्होंने बताया कि यह शातिर अपराधी एटीएम क्लोन कर गरीब व वृद्ध लोगों के साथ एटीएम फ्रॉड करके पैसे निकाल लेता था, पुलिस को इसकी काफी दिनों से तलाश थी और आखिरकार मुखबिर की सूचना मिलने पर मुठभेड़ के बाद इस शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया।

रिकू शर्मा को न्याय दिलाने के लिए निकाला कैंडल मार्च, दी श्रद्धांजलि

दिल्ली में रिकू शर्मा के साथ हुयी घटना के मद्देनजर वाराणसी में 'मैं ब्राह्मण हूं' समिति के द्वारा कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च में रिकू शर्मा को श्रद्धांजलि दी गयी। संस्था की ओर से रिकू शर्मा के परिवार को आर्थिक सहायता के लिए एक करोड़ रूपये और उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग की गयी। संस्था के लोगों ने प्रदेश एवं केंद्र सरकार से रिकू शर्मा हत्या कांड को लेकर फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कातिलों को जल्द से जल्द सजा दिलाने की

मांग की। इस कैंडल मार्च में अजीत त्रिपाठी, प्रियेश दुबे, आजाद सत्य प्रकाश मिश्रा, अनुराग पांडेय, सुभाष चंद्र द्विवेदी, मनोज दुबे, इंद्र प्रकाश दुबे, धर्मेंद्र दुबे, राहुल पांडेय, विनीत दुबे, विकास दुबे और मोहन दुबे इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

फ्रांस के रोमन ने भारतीय युवती धरती के साथ भारतीय रीति रिवाज से रचाई शादी

14 फरवरी वेलेंटाइन डे के अवसर पर फ्रांस के रोमन ने भारतीय युवती धरती से सुबह गंगा की लहरों के बीच शादी की फिर चौबपुर स्थित मार्कण्डेय महादेव मंदिर में भारतीय रीति रिवाज से सात फेरे लिए। रोमन और धरती ने मंदिर में विधि विधान से शादी की और फ्रांस के रोमन ने धरती की मांग भरी। सभी इस अद्भुत जोड़े को देख चकित हो गए। ऐसा अक्सर होता है कि विदेशी मूल के लोग भारत में शादियां रचाते है मगर भारतीय रीति रिवाज से होने वाली शादियां कम ही देखी जाती है। मंदिर के पुजारी मुन्ना गिरी ने दोनों की शादी करायी और जीवन भर सुखी रहने का आशीर्वाद दिया। बता दें कि अस्सी स्थित एक रेस्टोरेंट में काम करने वाली युवती धरती की मुलाकात बीते दिसंबर माह में रोमन से हुयी थी। रोमन दिल्ली में एक एनजीओ चलाते है और काम के सिलसिले में अकसर बनारस आया करते थे। ऐसे में रेस्टोरेंट में ही दोनों की मुलाकात हुयी और बात शादी तक पहुंच गयी।

पुलवामा हमले के शहीदों को गंगा आरती में किया गया याद

14 फरवरी को दशाश्वमेध घाट पर होने वाली दैनिक गंगा आरती में पुलवामा हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों को श्रद्धांजलि दी गयी। गंगा आरती के वहां पश्चात् उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया। गंगा आरती कराने वाले 7 अर्चकों और सभी श्रद्धालुओं ने पुलवामा हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के 40 जवानों को नमन किया। गंगा सेवा निधि संस्था के सचिव हनुमान यादव ने बताया कि 14 फरवरी 2019 को सीआरपीएफ के काफिले पर हुआ हमला देश के लिए बड़ी क्षति थी और आज उस हमले में शहीद हुए वीर सपूतों को याद किया गया। जानकारी के लिए बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पुलवामा सेक्टर में 14 फरवरी 2019 को पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने सीआरपीएफ के काफिले पर विस्फोटक से भरी कार से टक्कर मार दी थी, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे।

NEWS
TOP HEADLINES

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत के बाद हुआ बवाल, एसओ सहित 3 पुलिसकर्मी निलंबित

प्रदेश के जौनपुर जिलें के बक्शा थाने में पुलिस कस्टडी में लूट के आरोपी युवक कृष्णा यादव की मौत के बाद हंगामा मच गया। कृष्णा यादव के परिजनों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाते हुए चक्का जाम कर दिया। जाम को हटाने के लिए जब पुलिस मौके पर पहुंची तो आक्रोशित गांव वालों ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए है। परिजनों का आरोप है कि पहले तो पुलिस उनके लड़के के बारे में बताने से इंकार किया और काफी पूछताछ के बाद बताया कि उनके बेटे को एसटीएफ ने उठाया है। उसके बाद कृष्णा की हालत ख़राब होने पर उसे अस्पताल में छोड़ गए। इस संबंध में जिले के एसपी राजकरन नय्यर ने बताया कि मोहनलाल यादव की तहरीर पर 1 फरवरी को रुपयों से भरे बैग की लूट का मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसपर कार्यवाई करते हुए पुलिस ने गुरुवार की रात कृष्ण यादव उर्फ़ पुजारी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि रात में कृष्णा ने पेट में दर्द होने की बात कही, जिसके बाद उसे अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया और जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। उन्होंने कहा इस पूरे मामले के जांच के आदेश दिए गए है और कार्यवाई में कोई रुकावट न हो इसके लिए बक्शा थाने के एसओ और 3 अन्य पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है।

प्रो0 कमलेश पटेल
मो. 8707601113

प्रो0 अमित कुमार सिंह
मो. 9170141970

श्री माँ दुर्गा सर्विस सेंटर

हमारे यहाँ सभी कंपनियों के मोटर साइकिल रिपेयरिंग एवं स्पेयर्स पार्ट्स मिलते है।

मेन्टल हॉस्पिटल के पीछे, गणेश नगर कॉलोनी, पांडेयपुर, वाराणसी।

न्यूज़ बकेट टीम

मिथिलेश पटेल
संरक्षक

राजू श्रीवास्तव
सम्पादक

रमेश उपाध्याय
वरिष्ठ पत्रकार

महेंद्र पटेल
पत्रकार

विकास श्रीवास्तव
कंटेंट एडिटर

सुधीर कुमार गुप्ता
वीडियो एडिटर

निमांषी पांडेय
वीडियो एडिटर

रवि पटेल
कंटेंट एडिटर

धीरेन्द्र प्रताप
कंटेंट एडिटर

प्रियांशी श्रीवास्तव
कंटेंट एडिटर

HOTEL UTSAV RESIDENCY

FACILITIES:

- Take the Charge & Control of or Centralized Air Conditioned Rooms.
- For good picture quality & clear visibility, enjoy our 32" LCD Television.
- 24 Hours Room Service.
- Doctor on Call.
- Laundry Services.
- Medical Centre.
- Free Wifi.

LOCATION:

BABA COMPLEX, BHU ROAD, LANKA, VARANASI

Email: hotelutsavresidency@gmail.com
Tel. 0542-2367080

BABA RESTAURANT

The Restaurant serves everything from traditional Indian, Chinese and Continental Cuisine dishes.

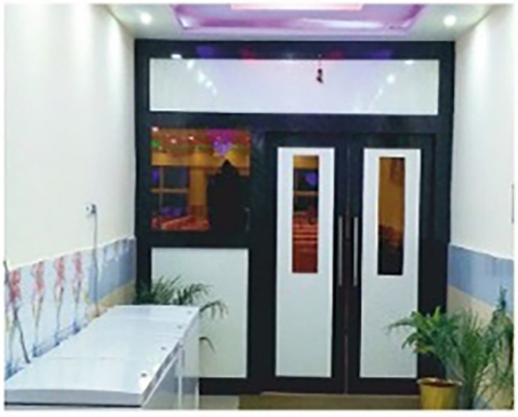

go mmt GROUP
make my trip | goibibo

Suny's Bakery

Homey·Delicious·Fresh

HAPPINESS IS....

....a nice hot cup of tea & a packet of biscuit

Atta

Till

Jeera

Coconut

Ajwain

Khalawapur, Khamaria, Bhadohi UP- 221306

8081708047 sunysbakery@gmail.com